www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 17 ||अम्बेडकरनगर
बुधवार
08 अप्रैल 2026||पृष्ठः 08||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:51
सूर्यास्तः 06:26
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 17°00

पेज 07

विशेष समाचार चाइनीज सीसीटीवी कैमरे... >>पेज 04 | सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों ... >>पेज 06 | अश्लील गाने के विवाद में ...

औद्योगिक क्रांति को नई गति

योगी कैबिनेट ने भारी प्रोत्साहन पैकेज और 22 प्रस्तावों को दी मंजूरी

मंजूरी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इस क्रम में ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जो प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त अधिनियम के तहत निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, उनके विनियमन एवं संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को दी मंजूरी
- उच्च शिक्षा को बढ़ावा, निजी क्षेत्र में नए विश्वविद्यालय को कैबिनेट की स्वीकृति
- 26.1 एकड़ में बनेगा 'मेट्रो विश्वविद्यालय', युवाओं को मिलेगा आधुनिक व रोजगारपरक शिक्षा का अवसर
- शिक्षामित्रों का मानदेय लगभग दोगुना हुआ

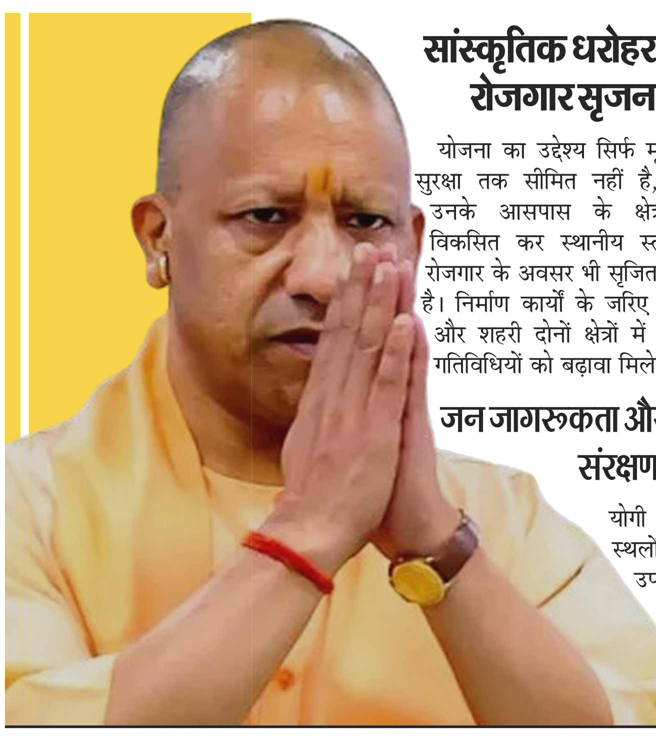

सांस्कृतिक धरोहर के साथ रोजगार सृजन भी

योजना का उद्देश्य सिर्फ मूर्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आसपास के क्षेत्रों को विकसित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना है। निर्माण कार्यों के जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारक, 403 करोड़ का प्रावधान

यह पहल न केवल ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित करेगी, बल्कि उन्हें जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित करेगी। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि योजना के तहत प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्मारकों का विकास किया जाएगा।

प्रति स्मारक 10 लाख रुपये की लागत तय की गई है। इसके अंतर्गत कुल 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्मारकों के आसपास बाउंड्रीवॉल, छत्र निर्माण, सौंदर्यीकरण, हरियाली का विकास और प्रकाश व्यवस्था की जाएगी।

जन जागरूकता और विरासत संरक्षण को बढ़ावा

योगी सरकार की यह पहल मूर्ति स्थलों को केवल प्रतीकात्मक स्थान न बनाकर उन्हें जानकारीपरक और जन उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे नई पीढ़ी को महापुरुषों के योगदान के बारे में जानने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। इसके अंतर्गत 31 दिसम्बर, 2025 तक स्थापित मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर उनके आसपास के क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।

योगी सरकार यूपी के 25 लाख युवाओं को मुफ्त में देगी टैबलेट, कैबिनेट मीटिंग में प्रस्ताव पास

योगी कैबिनेट के मुख्य फैसले

शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय वृद्धिः 1.43 लाख से अधिक शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 से बढ़ाकर 18,000 और अनुदेशकों का मानदेय 9,000 से बढ़ाकर 17,000 करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली।

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजनाः 25 लाख छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित करने की निविदा शर्तों और खरीद प्रक्रिया को मंजूरी।

आधुनिक बस अड्डेः राज्य में एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस 49 नए बस अड्डों के निर्माण को हरी झंडी, जिससे 52 जिले लाभान्वित होंगे।

डॉ. बी.आर. आंबेडकर मूर्ति विकास योजनाः हर विधानसभा में 10 स्मारकों के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 403 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी।

विस्थापित परिवारों को अधिकारः विभाजन के समय पाकिस्तान से आकर पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर और बिजनौर में बसे 12,380 परिवारों को भूमि का मालिकाना हक मिलेगा।

औद्योगिक विकासः प्रयागराज में बिसलेरी इंटरनेशनल और अन्य स्थानों पर नए निवेश प्रस्तावों को मंजूरी।

नई यूनिवर्सिटीः ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी।

युवाओं का डिजिटल सशक्तीकरण 2000 करोड़ का बजट

- योगी सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अगले चरण को हरी झंडी दे दी है।
- 25 लाख टैबलेटः स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई और मेडिकल के छात्रों को मुफ्त टैबलेट देने के लिए बिड डॉक्यूमेंट को मंजूरी दी गई है।
- वित्तीय प्रावधानः इस वर्ष के लिए 2000 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जिससे छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा सके।

'पाकिस्तान कितने टुकड़ों में बंटेगा, भगवान ही जाने'

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के कोलकाता पर हमला करने की धमकी पर जवाब दिया। राजनाथ ने कहा कि आसिफ को इस तरह का भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए था। 55 साल पहले जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंटा था। तब उन्हें इसके बुरे नतीजे भुगतने पड़े थे। अगर उन्होंने बंगाल पर बुरी नजर डालने की कोशिश की, तो भगवान ही जाने कि इस बार पाकिस्तान के कितने टुकड़े हो जाएंगे।

कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

एक साथी और तीन मददगार भी पकड़े गए

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था।

वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ईरान ने कहा- ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे

ईरान की पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे : ट्रम्प

इजराइल के पेटाह टिकवा में सोमवार को सड़क पर मिसाइल गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर कहा- आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। उन्होंने कहा मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है, जहां अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टर सोच वाले लोग मौजूद हैं।

>> (शेष 06 पर)

ईरान में कई जगहों पर अटैक

इजराइली एयर फोर्स ने मंगलवार को ईरान में करीब 10 अहम रेल लाइनों और पुलों पर हमला किया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यह हमले इसलिए किए गए ताकि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स अपने हथियार और सैन्य सामान एक जगह से दूसरी जगह न ले जा सके। हमलों से पहले इजराइल ने ईरान के लोगों को चेतावनी दी थी कि वे शाम तक ट्रेनों से दूर रहें। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स इन रेलवे और हाईवे पुलों का इस्तेमाल हथियार और सैन्य सामान ले जाने के लिए कर रही थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

आईईए चीफ बोले- हालत गंभीर

होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी से पैदा हुआ तेल और गैस संकट बहुत गंभीर हो गया है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने कहा है कि यह संकट 1973, 1979 और 2022 के ऊर्जा संकटों से भी ज्यादा बड़ा है।

फास्ट न्यूज

भारत का 500 मेगावॉट परमाणु रिएक्टर आखिरी स्टेज में

तमिलनाडु । कलपक्कम में सोमवार रात भारत के 500 मेगावॉट 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' का दूसरा स्टेज पूरा हो गया। वो अब 'क्रिटिकलिटी' हासिल कर चुका है। इसका मतलब अब वो खुद से परमाणु रिएक्शन करे रहा है और ऊर्जा पैदा करना भी शुरु कर चुका है।

बदलाव अलर्ट

योगी के कार्यक्रम का टेंट आंधी में उड़ा

भोपाल/लखनऊ/शिमला। देश के 20 से ज्यादा राज्यों में आज से आंधी-तूफान और बारिश की संभावना है। आज से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहा है। बैक-टु-बैक दो सिस्टम एक्टिव होने से मौसम में बदलाव है। यूपी के लखनऊ, मेरठ और गाजियाबाद में मंगलवार दोपहर बारिश हुई। मथुरा में तेज आंधी से सीएम योगी के कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। वहीं राजस्थान के रेगिस्तानी जिल नागौर में बारिश के साथ ओले गिरे। जयपुर, बीकानेर और टोंक में भी तेज बारिश हुई। इधर, मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन आंधी-बारिश और ओले गिरने की संभावना रहेगी।

कांग्रेस बंगाल में 10 लाख तक मुफ्त इलाज देगी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने 2,000 की आर्थिक सहायता, पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर तक फ्री शिक्षा और राज्य में मुफ्त सरकारी परिवहन सुविधा देने की घोषणा की गई है।

मणिपुर में बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद हिंसा

प्रदर्शनकारियों का सीआरपीएफ कैंप पर हमला

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में सोमवार देर रात उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब बच्चे अपनी मां के साथ बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए

- सीएम ने घायल महिला से मुलाकात की
- चुराचांदपुर के पहाड़ी इलाकों के पास बसा है मोइरांग इलाका

और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। इसके बाद भीड़ ने घटनास्थल से 100 मीटर दूर CRPF कैंप पर भी हमला कर दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

हिमंता बोले- पाताल से निकालेंगे, खेड़ा ने कहा था- सीएम की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर छापेमारी

रेड

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर फर्जी पासपोर्ट का आरोप लगाने के दो दिन बाद मंगलवार को असम पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के घर छापा मारा। हिमंता की पत्नी की FIR के बाद यह कार्रवाई की गई है। हालांकि छापेमारी के वक्त पवन घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने घर से कुछ डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रिक डिवाइस सीज कीं। पवन के घर पर मौजूद

नहीं होने पर हिमंता ने कहा कि गिरफ्तारी की चुनौती देने वाले खेड़ा अब हैदराबाद भाग गए हैं। कानून

> 5 अप्रैल को पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाया था कि उनके पास मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और यूएई के पासपोर्ट हैं। हिमंता और उनकी पत्नी ने आरोपों से इनकार किया।

अपना काम करेगा। हम खेड़ा को पाताल से ढूंढकर ले आएंगे और पता करेंगे कि उन्हें फर्जी दस्तावेज किसने दिए। मुझे लगता है कि ये डॉक्यूमेंट्स शायद राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को दिए होंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

मंगलवार दोपहर 12 बजे असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली वाले घर पहुंची।

पवन खेड़ा ने किस आधार पर किया था दावा?

पवन खेड़ा ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ दस्तावेज़ पेश किए, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि वे उन्हें विदेश में मौजूद अपने साथियों से मिले हैं. खेड़ा ने कहा कि रिनकी सरमा के पास यूएई, मिस्र और एंटीगुआ और बारबुडा के वैध पासपोर्ट हैं. उन्होंने आगे आरोप लगाया कि दुबई में उनकी कुछ प्रॉपर्टीज़ हैं और अमेरिका के व्योमिंग में उनकी एक कंपनी रजिस्टर्ड है, जिसका बजट 34.67 बिलियन USD है. होटल इंडस्ट्री में उतरने की भी उसकी योजना है।

>> (शेष पेज 06 पर)

संबोधन : सरकार और विपक्ष पर उठाए सवाल, आलापुर क्षेत्र की जनसभा में दिए बयान

सभा : एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली का हमला

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । सोमवार को आयोजित एक जनसभा में AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने केंद्र और प्रदेश की राजनीति पर कई मुद्दे उठाए। कार्यक्रम आलापुर विधानसभा क्षेत्र के नेवारी दूरजपुर में आयोजित हुआ, जहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

शौकत अली ने कहा कि देश की आजादी में मुस्लिम समाज का योगदान अहम रहा है। इसके बावजूद आज भी उनकी स्थिति में

अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने मुस्लिम समाज के लिए ठोस काम नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में मुस्लिम समाज ने मुलायम सिंह यादव को अपना नेता माना, लेकिन वहां भी अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं हुआ। कार्यक्रम से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

>> (शेष पेज 06 पर)

वर्तमान सरकार और नीतियों पर सवाल

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा सरकार की नीतियों से मुस्लिम और ब्राह्मण समाज दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक वर्ग विशेष को निशाना बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाषा संयमित होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री संत स्वभाव के व्यक्ति हैं, लेकिन उन्हें गलत सलाह दी जा रही है।

> सभा में ओम प्रकाश राजभर को लेकर भी बयान दिया गया। उन्होंने कहा कि संविधान की वजह से सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति भी उच्च पद तक पहुंच सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान में कुछ मामलों में विशेष व्यवहार देखने को मिल रहा है।

इतिहास को लेकर बयान

शौकत अली ने कहा कि सालार मसूद गाजी के इतिहास को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने से समाज में तनाव बढ़ता है।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री का फैसला गलत : सरकार

मामला धार्मिक आस्था और अधिकार से जुड़ा

आपत्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान बेंच ने मंगलवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं इस पर पहले दिन 5 घंटे सुनवाई की। केंद्र ने शुरुआत में ही सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक का समर्थन किया। सरकार ने कहा 2018 में सभी वर्ग की महिलाओं को एंट्री देने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और संप्रदाय के अपने अधिकार से जुड़ा है। अदालतें महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश के मामले में दखल

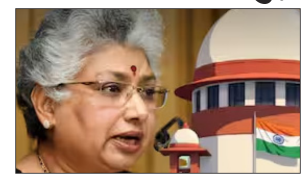

- जस्टिस नागरत्ना बोलीं- महिला को महीने के 3 दिन 'अछूत' मानें, चौथे दिन नहीं, ऐसा क्यों

नहीं दे सकतीं। अगर कोई प्रथा गैर-वैज्ञानिक लगती है, तो उसका हल संसद या विधानसभा के पास है, न कि अदालत के पास। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस फैसले में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को "छुआछूत" (अनुच्छेद 17 का उल्लंघन) माना गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

खाद्य एवं रसद मंत्री जी द्वारा दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश, प्रदेश में कुल 62.30 लाख मी0टन धान की खरीद

खाद्य तथा रसद विभाग राज्य क्रय एजेन्सियों के साथ समीक्षा बैठक

समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सतीश चन्द्र शर्मा, राज्यमंत्री, खाद्य तथा रसद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उ0प्र0 सरकार की अध्यक्षता में गेहूँ की प्रगति तथा गेहूँ क्रय में वृद्धि किये जाने के उपायों के सम्बन्ध में राज्य क्रय एजेन्सियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्री रणवीर प्रसाद, प्रमुख सचिव/आयुक्त, श्री प्रशान्त शर्मा, महा प्रबन्धक भारतीय खाद्य निगम, श्री कामता प्रसाद सिंह, अपर आयुक्त, डा0 चन्द्र भूषण त्रिपाठी, प्रबन्ध निदेशक, पी0सी0एफ0, श्री शशि भूषण तोमर, वित्त नियंत्रक, श्री अशोक कुमार

पाल, सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, (मुख्यालय), श्री श्रीकान्त गोस्वामी, प्रबन्ध निदेशक, पी0सी0यू0, श्री एन0के0 सिंह प्रबन्ध निदेशक, यू0पी0एस0एस, श्री रमेश बाबू गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक, राज्य भण्डारण निगम, श्री अरविन्द कुमार सिंह, उपनिदेशक, मण्डी परिषद, श्री अरविन्द सिंह, क्षेत्रीय प्रबन्धक नैफैड, श्री जसवीर सिंह, क्षेत्रीय प्रबन्धक एन0सी0सी0एफ0 एवं सम्भागों से सम्भागीय खाद्य नियंत्रकों द्वारा वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

मा0 मंत्री जी को अवगत कराया गया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत गेहूँ का समर्थन मूल्य रू0 2585 प्रति कुन्तल निर्धारित है, जो गतवर्ष से रू0 160 प्रतिकुन्तल अधिक है। विभिन्न क्रय एजेन्सियों के प्रस्तावित 6500 क्रय केन्द्रों के सापेक्ष अबतक 5439 क्रय केन्द्र अनुमोदित किये जा चुके हैं। प्रदेश में गेहूँ खरीद आरम्भ है अब तक 51 जनपदों के 464 क्रय केन्द्रों पर 2085 किसानों से 13388 मी0टन की खरीद हो चुकी है।

10.00 लाख मी0टन क्रय लक्ष्य निर्धारित

भारत सरकार द्वारा 10.00 लाख मी0टन क्रय लक्ष्य निर्धारित किया गया है, परन्तु प्रदेश में इस वर्ष 30.00 लाख मी0टन से अधिक आवक होने की सम्भावना है। गेहूँ खरीद हेतु उचित दर विक्रेताओं से उपयोगी बोरे क्रय की अनुमति प्राप्त हो गयी है। 76,000 नये पी0पी0 गांठ बोरों का आवंटन भारत सरकार से प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष 10,000 नये पी0पी0 गांठ बोरों का आर्डर सम्बन्धित फर्म को दिया जा चुका है अवशेष 66,000 पी0पी0 गांठों का रि-टेण्डर किया गया है।

37.70 लाख मी0टन सी0एम0आर0 केन्द्रीयपूल में प्रेषित

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 62.30 लाख मी0टन धान की खरीद की गयी है। जिसके सापेक्ष 37.70 लाख मी0टन सी0एम0आर0 केन्द्रीयपूल में प्रेषित किया जा चुका है। 3.05 लाख मी0टन धान का प्रेषण राइस मिलों को किया जाना शेष है। भारतीय खाद्य निगम के पास भण्डारण स्थल की कमी के कारण सी0एम0आर0 सम्प्रदान तेजी से नहीं हो पा रहा है। पी0डी0एस0 के खाद्यान्न उठान से रिक्त होने वाले स्पेस में ही सी0एम0आर0 का उतार हो पा रहा है।

20,000 नये जूट गांठ बोरों का भी भारत सरकार से आवंटन प्राप्त हुआ है, सम्भाग स्तर से उपयोगी बोरों के क्रय हेतु टेण्डर प्रकाशित किये जा रहें हैं एवं उचित दर विक्रेताओं से भी बोरे क्रय किये जाने की अनुमति शासन स्तर से भी प्राप्त हो गयी है। इस प्रकार गेहूँ क्रय हेतु पर्याप्त बोरे उपलब्ध रहेंगे।

आईटीआई अलीगंज में मारुति सुजुकी का कैंपस ड्राइव

चयनित युवाओं को 32,000 रुपए प्रतिमाह वेतन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप संचालित मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में 06 एवं 07 अप्रैल 2026 को मारुति सुजुकी कंपनी द्वारा खरखौदा, सोनीपत (हरियाणा) के लिए कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। संस्थान के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि इस प्रकार के कैंपस ड्राइव से युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कंपनी के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को चयनित करने का अनुरोध किया तथा चयनित अभ्यर्थियों को समय पर जॉइन

करने के लिए प्रेरित किया। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एम.ए. खां ने जानकारी दी कि कैंपस ड्राइव में लगभग 1000 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। पात्र अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के उपरांत कुल 270 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 32,000 रुपए प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा। रोजगार मेले के सफल आयोजन में ग्रे सिम लर्निंग्स फाउंडेशन के स्टाफ सहित संस्थान के अनुदेशक जेड रहमान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

फास्ट न्यूज

घर से 6 किलोमीटर दूर मिला युवक का शव

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार सुबह सड़क किनारे एक युवक का शव मिला। उसकी पहचान 22 साल के रैंकिश के रूप में हुई। वह निगोहां थाना क्षेत्र के नंदौली गांव का रहने वाला था। करीब 12 घंटे से लापता था। उसके परिजनों ने दोस्तों पर हत्या करके शव फेंकने का आरोप लगाया है। घटना निगोहां थाना क्षेत्र में निगोहां गांव स्थित गैस गोदाम के पास बाबू खेड़ा रोड की है। घटना स्थल से मृतक के घर की दूरी करीब 6 किलोमीटर है।

लखनऊ में अवैध प्लाटिंग तोड़ने पहुंचे अफसरों का घेराव

लखनऊ । लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र के बिकामऊ गांव में मंगलवार को अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। परिवर्तन जोन-4 की टीम अवैध प्लाटिंग ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान एलडीए की जेसीबी ने दो अवैध प्लाटिंग में तोड़फोड़ की। इसी बीच बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। आक्रोशित लोगों ने रिंग रोड स्थित चौराहे पर प्राधिकरण टीम का घेराव कर नारेबाजी की।

बड़ा इमामबाड़ा में जुटे हजारों लोग

लखनऊ । लखनऊ के बड़ा इमाम बाड़ा में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में भारत में खामेनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम ने भी शिकरत किया। इस अवसर पर विशेष एग्जिबिशन, मेडिकल कैंप और ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया।

शिक्षा सेवा चयन आयोग में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम का उद्घाटन

नकल विहीन परीक्षा पर रहेगा सख्त निगरानी तंत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रयागराज / लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता एवं नकल विहीन संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोग के प्रयागराज कार्यालय में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम का उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यदायी संस्था के प्रबंध निदेशक, आयोग के सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवस्थापित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम के माध्यम से आगामी परीक्षाओं के सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक कक्ष एवं वहां उपस्थित अभ्यर्थियों की निगरानी अत्याधुनिक एआई कैमरों द्वारा की जाएगी। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों एवं उनके आसपास की गतिविधियों पर भी सतत नजर रखी जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को तत्काल चिन्हित किया जा सके। इस कंट्रोल रूम से अभ्यर्थियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति एवं सत्यापन की प्रक्रिया का सीधा प्रसारण एवं रिकॉर्ड आयोग कार्यालय में उपलब्ध रहेगा।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ को दरकिनार कर दिया गया : अजय राय, पूर्व मंत्री प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

भाजपा के अंदर योगी को लेकर असंतोष चरम पर

भाजपा की आपसी लड़ाई से प्रदेश का विकास प्रभावित हो रहा - अजय राय, पूर्व मंत्री प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दरकिनार किए जाने और योगी आदित्यनाथ के शामिल न होने को लेकर निशाना साधा है, और कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भाजपा के अंदर असंतोष चरम पर है जो अब कार्यक्रमों में भी नजर आ रहा है, स्थापना दिवस जैसे कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री होकर भी योगी आदित्यनाथ को दरकिनार कर दिया गया, यह इस बात का प्रमाणित करता है, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ सरकार में गौमाता के दुर्दशा पर

सरकार को घेरा और ज्योतिबा फुले की जयंती पर कांग्रेस पार्टी के द्वारा अधिवक्ता सम्मेलन कराने की बात कही, प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के साथ प्रमुख रूप से विधि विभाग अध्यक्ष आसिफ रिजवी रिंकू, प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी और उमाशंकर पाण्डेय मौजूद रहे । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि कल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष, सरकार के डिप्टी सी.एम. और मंत्री नेता उपस्थित रहे, लेकिन उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद नहीं थे। जबकि वह प्रदेश में ही थे लेकिन स्थापना दिवस कार्यक्रम में नही शामिल हुए, इससे भाजपा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर व्यापक असंतोष दिखाता जिसकी वजह से भाजपा पार्टी के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उन्हें दरकिनार किया गया।

अजय राय ने कहा कि लगभग 10 साल से भाजपा योगी आदित्यनाथ जी की सरकार के बावजूद वह अपनी जवाबदेही से बचने के लिए कांग्रेस पर देश के साथ विश्वासघात के झूठे आरोप लगा रहे हैं जिसका जवाब जनता ने 2024 में उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को जिताकर और बीजेपी को हराकर दे दिया है, आज वास्तविकता यह है कि आज उत्तर प्रदेश की जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। किसानों, नौजवानों, महिलाओं और व्यापारियों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए।

चिंताजनक और भावुक करने वाली घटना वाराणसी से सामने आई

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी ने वीडियो दिखाते हुए कहा कि सबसे चिंताजनक और भावुक करने वाली घटना वाराणसी से सामने आई है, जो देश के प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र भी है। वहां गौमाता के गौवंश को कुत्ते नोचकर खा रहे हैं, यह हाल योगी आदित्यनाथ सरकार ने गौमाता का कर दिया है, सरकार सिर्फ प्रचार और झूठ फैलाने में व्यस्त है, प्रदेश गौमाता की दुर्दशा हो रही है जिसकी जिम्मेदार बीजेपी सरकार है । हमारी सरकार में कभी ऐसा नही हुआ, इस तरह गौमाता के साथ हो रही घटना यह दिखाती हैं कि ज़मीनी स्तर पर व्यवस्था कितनी कमजोर हो चुकी है।

पीपीपी मॉडल पर यूपीएसआरटीसी के 49 बस स्टेशनों को द्वितीय चरण में किया जाएगा विकसित

जनपद बुलंदशहर, बलरामपुर एवं हाथरस में निर्मित होंगे नए बस स्टेशन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन निगम के तीन प्रस्तावों पर कैबिनेट ने अपनी सहमति प्रदान की। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) पद्धति पर उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम के 49 बस स्टेशनों को विकसित करने के संबंध में प्रस्ताव पर सहमति प्राप्त हुई। इन बस स्टेशनों को डिबीएफओटी मॉडल पर विकसित किया जाएगा। उन्होने बताया कि जनपद बुलंदशहर के नरौरा, जनपद बलरामपुर की तहसील तुलसीपुर में एवं जनपद हाथरस की तहसील सिकंद्राराऊ में बस स्टेशन निर्माण हेतु निःशुल्क

भूमि, उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने अपनी सहमति प्रदान की है। परिवहन मंत्री ने बताया कि यूपीएसआरटीसी द्वारा पीपीपी मॉडल पर विकसित किए जा रहे बस स्टेशनों के द्वितीय चरण में 49 बस स्टेशनों को विकसित किया जाएगा। इन बस स्टेशनों पर यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे- शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर इत्यादि उपलब्ध होगी। निवेशकों की तकनीकी क्षमता की शर्त को 150 प्रतिशत से घटाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया है तथा पात्र परियोजनाओं में निवेशकों की अर्हता की समय सीमा 05 वर्ष से बढ़ाकर 08 वर्ष कर दी गई है। बनने वाले बस स्टेशनों पर फ्लोर एरिया रेशियो (एफ0ए0आर) निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रस्तावित स्थलों पर 2.5 के समान फ्लोर एरिया रेशियो (एफ0ए0आर) और ग्राउण्ड कवरेज की निःशुल्क अनुमति प्रदान की जाएगी।

10.012 हेक्टेयर भूमि परिवहन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित

जनपद हाथरस के सिकंद्राराऊ में ग्राम रतनपुर, हुसैनपुर में 10.012 हेक्टेयर भूमि परिवहन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। इन डिपों को आर्थिक केन्द्र (दुकानें, फूट कोर्ट) के रूप में विकसित किया जाएगा जिससे यात्रियों को सुलभ, सस्ती और सुरक्षित परिवहन सुविधा मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। व्यवसायिक गतिविधियों के माध्यम से परिवहन निगम के राजस्व में वृद्धि होगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि बुलंदशहर में बनने वाले बस डिपों पूर्व में एनपीसी आईएल की लीज भूमि पर संचालित की जा रही थी, जिसकी लीज अवधि समाप्त हो गई है।

रायबरेली के ऊँचाहार में 28 पोलिंग बूथों के सम्भाजन पर मचा विवाद

सपा ने की कार्रवाई की मांग

सपा ने चुनाव आयोग से शिकायत कर निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आदेश निरस्त करने और दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/रायबरेली। समाजवादी पार्टी ने रायबरेली की 183-ऊँचाहार विधानसभा के 28 पोलिंग बूथों के सम्भाजन को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए इस प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने आरोप लगाया कि पार्टी से निष्कासित और भाजपा समर्थक विधायक मनोज पाण्डेय द्वारा जिलाधिकारी रायबरेली पर दबाव बनाकर गुपचुप तरीके से बूथ

सम्भाजन की साजिश की जा रही है।

ज्ञापन में कहा गया है कि जिलाधिकारी द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के विपरीत उप-जिलाधिकारी ऊँचाहार को आदेश दिए गए, जिसके तहत बीएलओ और सुपरवाइजर्स से 6 अप्रैल 2026 तक हर हाल में रिपोर्ट मांगी गई। सपा ने इसे नियमों के खिलाफ बताते हुए पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध करार दिया है। पार्टी ने यह भी मांग की है कि इस कथित साजिश में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक तरीके से कराए जा सकें।

बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 27 अक्टूबर 2025 को एसआईआर प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसके बाद 29 अक्टूबर से बूथों के सत्यापन और चिन्हांकन का कार्य आरंभ हुआ और 4 दिसंबर 2025 तक अधिकतम 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर सम्भाजन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी।

6 जनवरी 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी, जबकि अंतिम सूची 10 अप्रैल 2026 को जारी की जानी है।

ज्ञापन सौंपने वालों में के.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह और राधेश्याम सिंह शामिल रहे, जिन्होंने मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

नाराजगी : लखनऊ में सड़क पर उतरे, पोस्टर फाड़े, बोले- अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे

अखिलेश को पोस्टर में रहमान डकैत दिखाने पर भड़के सपाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में अखिलेश यादव के खिलाफ लगी होर्डिंग्स के विरोध में मंगलवार दोपहर सपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। पोस्टर फाड़ डाले और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हजरतगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर भी दी है। सपाइयों ने कहा- सत्ता पक्ष के लोग इस तरह के होर्डिंग्स लगाकर हमारे नेता का अपमान कर रहे हैं। इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ये होर्डिंग्स 'यूथ अगेंस्ट माफिया' नाम की संस्था ने लखनऊ, जौनपुर, अमेठी समेत 10 जिलों में लगवाए हैं। इसकी तस्वीरें मंगलवार सुबह सामने आईं। इसके बाद सपा

कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई।

होर्डिंग में अखिलेश को फिल्म 'धुरंधर' के विलेन 'रहमान डकैत' की तरह दिखाया गया है। नीचे लिखा है- अखिलेश का ल्यारी राज। इसके नीचे उनके शासनकाल के दौरान हुए मुजफ्फरनगर, शामली के दंगों की खबरों की कटिंग लगी है। होर्डिंग में एक तरफ कन्या पूजन करते योगी की तस्वीर लगी है। नीचे लिखा है- धुरंधर सीएम। इसके नीचे माफिया अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी पर एक्शन की कटिंग लगी है। होर्डिंग के जरिए पूछा गया है- आपको क्या चाहिए? समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार शुक्ला ने कहा- ये होर्डिंग सस्ती लोकप्रियता पाने की साजिश है। लोकप्रियता ऐसे नहीं मिलती, इसके लिए समाज में रहकर काम करना पड़ता है। हमारे नेता अखिलेश यादव जन-जन तक पहुंचे और लोगों के दुख-दर्द में शामिल हुए।

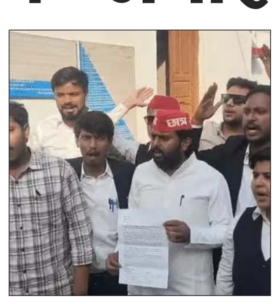

अखिलेश यादव के खिलाफ लगाए गए पोस्टर के विरोध में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने हजरत अली पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।

संगठन के महामंत्री बोले- होर्डिंग्स राजनीति से प्रेरित नहीं

संगठन के महामंत्री अभिनव तिवारी ने बताया- होर्डिंग्स किसी भी राजनीतिक दल या नेता से प्रेरित नहीं हैं। यह एक तरह का जनजागरूकता और संवाद अभियान है। इसके जरिए युवाओं से यह जानने की कोशिश की जा रही है कि वे भविष्य में किस दिशा में जाना चाहते हैं? इसका मकसद किसी राजनीतिक दल का समर्थन या विरोध करना नहीं है। 15 अप्रैल को संगठन प्रेस वार्ता करेगा। इसमें इस अभियान से जुड़ी डिटेल जानकारी शेयर की जाएगी।

लखनऊ में आंधी के साथ बूंदाबांदी

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार शाम को धूल भरी आंधी चली। सरोजनी नगर, कृष्णा नगर और अमौसी में बूंदाबांदी भी हुई। इससे पहले दोपहर को बादलों की आवाजाही के बीच तेज धूप भी निकली। मौसम विभाग की तरफ से बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार लखनऊ का अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री दर्ज किया गया था। यह सामान्य तापमान की तुलना में 3.8 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान की तुलना में 2.1 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 79 फीसदी न्यूनतम आर्द्रता 24 फीसदी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तीन दिनों 7, 8 और 9 अप्रैल के दौरान एक बार फिर बेमौसम तूफानी बारिश और तेज हवाओं का नया दौर आने वाला है।

स्वंय सहायता समूहों की दीदियां बना रही हैं सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा प्रदेश में मनरेगा (वीबी- जी राम जी) के अभिसरण से सीआईबी बोर्ड बनाये जा रहे हैं ।मनरेगा का कार्य आरंभ होने से पूर्व सभी कार्यस्थलों पर स्थापित किए जाने वाले सीआईबी बोर्ड का निर्माण स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करती हैं। इस कार्य से स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की आय में बढ़ोतरी होती है, जिससे महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रहीं हैं और उनका आत्मसम्मान भी बढ़ रहा है।प्रति वर्ष स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा वृहद स्तर पर सीआईबी बोर्ड का निर्माण किया जा रहा है ।ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में सक्रिय

सी आई बी बोर्ड बनाकर, आधी आबादी प्रशस्त कर रहीं है महिला स्वावलंबन की राह

सहभागिता कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मनरेगा(वीबी-जीरा-मजी) योजनांतर्गत निर्मित होने वाले परिसम्पत्तियों पर नागरिक सूचना पट्टिका (सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड) का निर्माण किया जा रहा है, इससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आजीविका में संवर्धन हो रहा है। जब एक महिला आत्मनिर्भर होती है, तो पूरा परिवार आत्मनिर्भर होता है।

14 अप्रैल को गरिमा और अनुशासन के साथ आयोजन, 13 अप्रैल को चलेगा स्वच्छता अभियान

अंबेडकर जयंती को लेकर प्रशासन अलर्ट

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को शांतिपूर्ण और गरिमामय ढंग से मनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सदरपुर में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जनपद के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। आयोजन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए। साथ ही,

प्रतिमा स्थलों पर जाली और छतरी की व्यवस्था की जाएगी। जहां जरूरत होगी, वहां रंगाई-पुताई भी कराई जाएगी।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत प्रशासन को देने को कहा गया है।

शासन की जीरो टॉलरेंस नीति का सख्ती से पालन कराने पर जोर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि अफवाहों और भ्रामक खबरों से दूर रहें। सोशल मीडिया पर अपुष्ट जानकारी साझा न करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में ग्राम प्रधानों की समस्याएं और सुझाव भी सुने गए। संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए गए।

प्रशासन का कहना है कि अंबेडकर जयंती को सामाजिक सद्भाव और शांति के साथ मनाना प्राथमिकता है।

प्रतिमा स्थलों पर विशेष सफाई और व्यवस्था

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 13 अप्रैल को पूरे जनपद में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। सभी खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान और पंचायत प्रतिनिधि यह सुनिश्चित करेंगे कि अंबेडकर प्रतिमाओं के आसपास साफ-सफाई रहे।

नई परंपरा पर रोक, तय मार्गों से ही निकलेंगे जुलूस

प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी नई प्रतिमा की स्थापना या नई परंपरा की अनुमति नहीं होगी। केवल पहले से तय परंपराओं के अनुसार ही कार्यक्रम होंगे। जुलूस भी पूर्व निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएंगे। इसके लिए ग्राम प्रधानों को प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

हर प्रतिमा स्थल के लिए "मूर्ति सुरक्षा समिति" बनाई जाएगी। इसमें ग्राम प्रधान और चौकीदार की जिम्मेदारी तय होगी। संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायत भवन स्तर पर कंट्रोल रूम बनाने की भी बात कही गई है, ताकि निगरानी मजबूत हो सके।

अकबरपुर में 'स्कूल चलो अभियान' की रैली, नामांकन बढ़ाने पर जोर

प्राथमिक विद्यालय सिझौली फर्स्ट से निकली जागरूकता रैली

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । शिक्षा क्षेत्र अकबरपुर अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय सिझौली फर्स्ट में मंगलवार सुबह 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैली और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्य परियोजना कार्यालय, निशातगंज लखनऊ के निर्देश पर आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे हुई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रधान संघ अध्यक्ष सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं। इसके बाद हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया गया। रैली के जरिए "हर बच्चा स्कूल जाए" का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया गया। रैली में छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने नारे लगाकर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों और ग्रामीणों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

खंड शिक्षा अधिकारी अकबरपुर हिमांशु कुमार मिश्र ने शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि 'स्कूल चलो अभियान' का मुख्य उद्देश्य हर बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके लिए शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के सहयोग की जरूरत है। कार्यक्रम में क्षेत्र के शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

फास्ट न्यूज

अम्बेडकरनगर में सघन वाहन चेकिंग अभियान, 6 अप्रैल को 58 चालान

अम्बेडकरनगर । यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क हादसों पर नियंत्रण के लिए सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान एक अप्रैल 2026 से शुरू हुआ है और लगातार जारी है।छह अप्रैल को अभियान के तहत 58 वाहनों का चालान किया गया। वहीं एक अप्रैल से अब तक कुल 510 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है।

मंगलवार को कार्यालय में जनसुनवाई

अंबेडकरनगर। एसपी अभिजित आर. शंकर ने मंगलवार को कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की। इस दौरान नागरिकों ने विभिन्न स्थानीय मुद्दों और शिकायतों को सीधे उठाया। जनसुनवाई में उपस्थित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। हर शिकायत का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ किया जाए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान शीघ्र और संतोषजनक रूप से हो।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव मिला

अम्बेडकरनगर । जैतपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। घटना गोविंदपुर मारिकपुर गांव की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान इंदु यादव के रूप में हुई है। उसकी शादी वर्ष 2019 में बसखारी थाना क्षेत्र के मरौचा गांव निवासी उमाशंकर के साथ हुई थी।

महिला शौचालय निर्माण को 15 लाख की मिली मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अकबरपुर क्षेत्र स्थित शहजादपुर बाजार में महिला शौचालय निर्माण के लिए 15 लाख रुपये की मंजूरी मिल गई है। यह धनराशि राज्यसभा सांसद संजय सेठ की सांसद निधि से स्वीकृत की गई है। यह पहल भाजपा नेता और नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य के प्रयासों से संभव हुई है। निर्माण कार्य को लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के माध्यम से आगे की कार्रवाई चल रही है। शहजादपुर बाजार में शौचालय की कमी लंबे समय से बनी हुई थी। स्थानीय दुकानदारों ने महिलाओं को हो रही परेशानी को लेकर यह मुद्दा विवेक मौर्य के सामने रखा था। मौर्य ने इस समस्या को प्राथमिकता देते हुए तुरंत पहल की। उन्होंने सांसद से संपर्क कर बाजार की स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद अल्प समय में ही 15 लाख रुपये की स्वीकृति मिल गई।

विवेक मौर्य ने कहा कि बाजार में आने वाली महिलाओं को बुनियादी सुविधाएं मिलना जरूरी है। शौचालय की व्यवस्था न होने से उन्हें काफी असुविधा होती थी। इस समस्या का समाधान जरूरी था। विवेक मौर्य ने कहा कि शौचालय केवल सुविधा नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा से जुड़ा विषय है। उन्होंने बताया कि बाजार में दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था जरूरी है।

डीआईओएस कार्यालय पर उठे सवाल छह बाबुओं को लेकर विवाद गहराया

अनुमति न मिलने के बावजूद सक्रियता पर चर्चा, कार्यप्रणाली पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला उन छह बाबुओं से जुड़ा है, जिन्हें लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ है। बताया जा रहा है कि इन कर्मियों के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन उच्च स्तर से अब तक स्पष्ट अनुमति नहीं मिल सकी है। जानकारी यह भी सामने आई है कि इन बाबुओं को पहले भी कई बार हटाया गया, लेकिन इसके बावजूद वे फिर से सक्रिय नजर आ रहे हैं। इस पर विभागीय व्यवस्था और निगरानी तंत्र को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब उच्च स्तर से अनुमति नहीं मिल रही है, तब भी संबंधित बाबुओं की सक्रियता कैसे बनी हुई है। इससे विभागीय पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी प्रश्न उठ रहे हैं। फिलहाल, यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। संबंधित अधिकारियों की ओर से स्थिति स्पष्ट किए जाने और आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

कुछ सूत्रों ने यह भी आरोप लगाया है कि इन बाबुओं के माध्यम से धन वसूली की जाती है और इसे ऊपर तक पहुंचाने की बात कही जाती है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विभाग की ओर से भी इस संबंध में कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है।

रात और दिन में अलग-अलग समय पर काम करने की चर्चा

सूत्रों के अनुसार, इन बाबुओं की कार्यालय में उपस्थिति को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। आरोप है कि कोई कर्मचारी देर रात में आता है तो कोई दिन में बैठकर काम करने की कोशिश करता है। यह स्थिति इसलिए भी सवाल खड़े करती है क्योंकि सामान्य दिनों में अधिकांश कर्मचारी तय समय के बाद कार्यालय में नहीं रुकते।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जलालपुर ब्लॉक में जागरूकता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जलालपुर ब्लॉक की छह ग्राम पंचायतों में मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जनशिक्षण केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसमें ग्रामीणों को स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों से जुड़ी अहम जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में हेमलता ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की ओर से तहसीलों और ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसका उद्देश्य लोगों को कानून की सामान्य जानकारी देना है, ताकि छोटे विवादों का समाधान आपसी सहमति से हो सके और अदालतों पर बोझ कम हो। संस्था की सचिव पुष्पा पाल ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के उपलक्ष्य में हुई थी।

छह ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम, स्वास्थ्य और कानून की दी गई जानकारी

उन्होंने इस वर्ष की थीम "सभी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और एक न्यायसंगत दुनिया का निर्माण" के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर लोग स्वास्थ्य को केवल बीमारी तक सीमित मानते हैं, जबकि बढ़ता प्रदूषण एक बड़ा खतरा बन चुका है।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक, 6 से 15 अप्रैल तक चल रहा अभियान

फार्मर रजिस्ट्री अभियान की समीक्षा तेजी लाने के निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में फार्मर रजिस्ट्री अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। शासन के निर्देश पर 6 अप्रैल से 15 अप्रैल तक यह अभियान चलाया जा रहा है। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने साफ कहा कि अभियान को पूरी गंभीरता और गति के साथ चलाया जाए। सभी अधिकारियों को तय लक्ष्य के अनुसार काम करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और समयसीमा के भीतर सभी पात्र किसानों का पंजीकरण पूरा किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले में 3 लाख 42 हजार किसान चिन्हित हैं। इनमें से अब तक करीब 3 लाख 15 हजार किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। प्रतिदिन औसतन लगभग 2000 किसानों का पंजीकरण किया जा रहा है। यह आंकड़ा प्रदेश में सबसे अधिक बताया गया।

जिलाधिकारी ने इस प्रगति को संतोषजनक बताते हुए इसे और बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेष किसानों तक पहुंच बनाकर अभियान को और तेज किया जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान छूट न जाए। इसके साथ ही भविष्य की योजनाओं का लाभ भी सीधे किसानों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की कि जिन्होंने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है, वे जल्द अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र पर जाकर पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के जरिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, अनुदान और अन्य कृषि योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

विभागों के समन्वय से चल रहा अभियान

फार्मर रजिस्ट्री का काम अभियान के रूप में चल रहा है। इसमें तहसील, विकास खंड, राजस्व, कृषि, जन सुविधा केंद्र और पंचायत विभाग के कर्मचारी मिलकर काम कर रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आपसी समन्वय बनाए रखें और फील्ड स्तर पर काम की नियमित निगरानी करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी रखा जाए। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

गोवंश आश्रय स्थलों में सोलर प्लांट और लाइट लगाने के निर्देश

30 स्थलों पर जल्द स्थापना, संचालन व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । गोवंश आश्रय स्थलों के बेहतर संचालन और सोलर सुविधाओं की स्थापना को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला मौजूद रहे। इसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की गई। जिले में कुल 39 स्थाई और अस्थाई निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल संचालित हैं। इनमें से 9 स्थलों पर सोलर पावर प्लांट पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने शेष 30 आश्रय स्थलों में जल्द सोलर पावर प्लांट लगाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी आश्रय स्थलों में बीमार और अस्वस्थ पशुओं की विशेष देखभाल के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

मृत पशुओं के निस्तारण को लेकर भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि निर्धारित नियमों के अनुसार ही दफन की प्रक्रिया अपनाई जाए। बैठक में गोवंशों के लिए चारा, भूसा और स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही गर्मी और लू से बचाव के लिए विशेष उपाय करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टीन शेडों पर जूट के बोरे लगाए जाएं और छायादार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सोलर स्ट्रीट लाइट से बढ़ेगी सुरक्षा

बैठक में 35 आश्रय स्थलों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का भी निर्देश दिया गया। अधिकारियों से कहा गया कि जरूरत के अनुसार पर्याप्त संख्या में लाइट लगाई जाएं। इससे ऊर्जा की उपलब्धता के साथ सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। सोलर प्लांट और स्ट्रीट लाइट की स्थापना का काम निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति निगरानी करेगी। समिति में जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और परियोजना अधिकारी शामिल हैं।

भूलेपुर बाजार में हुआ भव्य आल इंडिया मुशायरा और कवि सम्मेलन

'एक शाम अम्बेडकरनगर के नाम' से किया गया कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । हंसवर स्थित भूलेपुर बाजार में सोमवार की रात "एक शाम अम्बेडकरनगर के नाम" शीर्षक से आल इंडिया मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कुमैल अहमद सिद्दीकी, हकीम इरफान आजमी और अबूसाद इलाही ने संयुक्त रूप से किया, जबकि इसकी अगुवाई मुसाब अज़ीम ने की। कार्यक्रम डॉ. फिरोज अख्तर के संरक्षण और चांदनी मुस्कान की निगरानी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफ़िज महबूब आलम ने की। संचालन नेशनल इंटर कॉलेज हंसवर के शिक्षक मोहम्मद असलम खान ने किया। मुख्य अतिथि बसखारी ब्लॉक प्रमुख संजय सिंह ने शमा रोशन कर मुशायरे का उद्घाटन किया और कहा कि ऐसे आयोजन

आपसी प्रेम और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। कुमैल अहमद सिद्दीकी ने उर्दू भाषा की मोहब्बत और इंसानियत की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुशायरा रात से भोर तक उत्साह और आनंद के साथ चलता रहा। महाराष्ट्र से आई शायरा चांदनी मुस्कान ने अपने अशआर से लोगों का दिल जीत लिया। नेपाल से पधारे फैयाज फैजी, महाराष्ट्र के अहमद हाशिम मालेगांव, झारखंड की रौशन हबीबा रोशनी और कुमैल अहमद सिद्दीकी ने अपने प्रभावशाली कलाम से समां बांधा।

आयोजन : योग, रैली और वाद-विवाद के जरिए दिया स्वास्थ्य का संदेश

मेडिकल कॉलेज में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रमों की श्रृंखला

संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । राजकीय मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के तत्वावधान में हुआ। इस वर्ष की थीम "स्वास्थ्य के लिए एकजुटः विज्ञान के साथ खड़े रहें" रखी गई। इसके अलावा कई डॉक्टर, रेजिडेंट और एमबीबीएस छात्र भी शामिल हुए। योग के माध्यम से नियमित दिनचर्या और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। रैली के बाद कॉलेज के एलटी-2 हॉल में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें छात्रों ने स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में छात्रों ने तर्क और तथ्य के आधार पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रिया मिश्रा ने किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके साथ ही वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना और लोगों को अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली में स्वास्थ्य को लेकर सजग रहना जरूरी है। छोटे-छोटे बदलाव से भी बेहतर स्वास्थ्य पाया जा सकता है।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे योग सत्र से हुई। इसका संचालन धर्मेंद्र कुमार यादव ने किया। योग सत्र में मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) मुकेश यादव और उप-प्रधानाचार्य डॉ. उमेश कुमार वर्मा ने भाग लिया।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए निकली रैली

सुबह 10 बजे स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में कॉलेज के शिक्षक, नर्सिंग स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। रैली का उद्देश्य आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 पर विविध स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर एनटीपीसी टांडा के आरोग्यम अस्पताल द्वारा "स्वास्थ्य के लिए एकजुट-विज्ञान के साथ खड़े रहे" थीम के तहत विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन कर्मचारियों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

दिन की शुरुआत वॉकेथॉन से हुई, जिसमें एनटीपीसी टांडा के अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। वॉकेथॉन का मुख्य संदेश था कि नियमित व्यायाम और सक्रिय जीवनशैली स्वस्थ जीवन के लिए अनिवार्य हैं। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लेकर स्वास्थ्य के महत्व को प्रमोट किया।

वॉकेथॉन के पश्चात आरोग्यम चिकित्सालय में निःशुल्क बीएमडी

(बोन मिनरल डेंसिटी) कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में मैक्स हेल्थकेयर, लखनऊ के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने प्रतिभागियों की हड्डियों की जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। इसमें मुख्य रूप से महिलाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया, ताकि हड्डियों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सके। साथ ही, सरगम सभागार में स्कूली बच्चों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों को संतुलित आहार, स्वच्छता, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

सम्पादकीय

बेतुकी बयानबाजी

चुनावों के समय कैसी घोर गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी होती है, इसका उदाहरण है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह विचित्र प्रश्न कि क्या भाजपा के पास चुनाव से पहले एक और पहलगाम हमले के लिए कोई खाका तैयार है? निःसंदेह वे संकेत रूप में यह कहना चाहती हैं कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे भाजपा का हाथ था। यह पहली बार नहीं कि जब किसी नेता ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बेजा बयान दिया हो। इस हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे कि आखिर आतंकियों के पास इतना समय कहां था कि वे लोगों को मारने के पहले उनका मजहब पूछते?

कुछ ने भारत सरकार पर पहलगाम गए पर्यटकों की सुरक्षा में जानबूझकर ढिलाई बरतने के आरोप मढ़े थे। इसे भी विस्मृत नहीं किया जा सकता कि पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने अपने संकीर्ण स्वार्थों को सिद्ध करने के फेर में केंद्र सरकार को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की थी। यह साफ है कि ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक को तुष्ट करने के लिए बेतुका बयान दिया, लेकिन ऐसा करके उन्होंने राष्ट्रीय हितों को गंभीर क्षति ही पहुंचाई।

उन्होंने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की उस धमकी के सिलसिले में उक्त बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत ने फिर से अपने लोगों पर ऐसी कोई कार्रवाई की, जिसका दोष पाकिस्तान पर मढ़कर उसे निशाना बनाया तो हम कोलकाता तक हमले करेंगे। निश्चित रूप से पाकिस्तानी रक्षा मंत्री यही कहना चाहते हैं कि पहलगाम हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं था और यह तो भारत का अपना कृत्य अर्थात फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन था, ताकि पाकिस्तान को निशाना बनाया जा सके।

उन्होंने यह बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से इस्लामाबाद को दी गई इस चेतावनी के बाद दिया कि यदि पाकिस्तान से दोबारा आतंकी हमले हुए तो भारत अभूतपूर्व कार्रवाई करेगा। जैसे-जैसे पहलगाम हमले की बरसी करीब आ रही है, पाकिस्तान फिर से इस आतंकी हमले को भारत का अपना गुप्त ऑपरेशन करार देने में लगा हुआ है। यह निराशाजनक और शर्मनाक है कि ममता बनर्जी एक तरह से उसी झूठ को उच्चारित कर रही हैं, जिसे पाकिस्तान दोहरा रहा है। माना कि चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों में तीखी बयानबाजी होती है, पर इसकी भी एक सीमा होती है। वोट बैंक के लोभ में किसी नेता को इस हद तक नहीं चले जाना चाहिए कि उससे देश के शत्रुओं को लाभ मिले। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि पाकिस्तान अब भी भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने में जुटा हुआ है। वे इससे अनभिज्ञ भी नहीं हो सकतीं, क्योंकि हाल में ऐसे कई संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं, जो पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे। इनमें से कुछ तो बंगाल से गिरफ्तार किए गए हैं।

चाइनीज सीसीटीवी कैमरे, 'कनेक्टेड आँखें' बनी नेशनल सिक्योरिटी का मुद्दा

> जानकारों के अनुसार चीन से जुड़ी कंपनियाँ जैसे शाओमी और रियलमी, जो स्मार्ट होम कैमरा सेगमेंट में काफी मजबूत मानी जाती थीं, उन्होंने भी नए नियमों को पूरा करने में दिक्कत के कारण इस बाजार से दूरी बना ली है।

भारत में निगरानी व्यवस्था यानी सर्विलांस सिस्टम को लेकर 01 अप्रैल 2026 से सरकार ने नए सख्त नियम लागू कर दिया है जिसके बाद चीन की कई सीसीटीवी कंपनियाँ जैसे टीपी लिंक, हिकवीजन और दहुआ भारतीय बाजार से लगभग बाहर हो जाएँगी। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब इंटरनेट से जुड़ी वही कैमरा डिवाइस भारत में बिक सकेंगी, जिनके पास जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट होगा। यह सर्टिफिकेट एसटीक्युसी यानी सरकारी जाँच प्रक्रिया के तहत मिलता है। जिन कंपनियों ने यह सर्टिफिकेट नहीं लिया है, वे अब अपने प्रोडक्ट भारत में नहीं बेच पाएँगी।

इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह देश की सुरक्षा मानी जा रही है। सरकार चाहती है कि भारत में इस्तेमाल होने वाले सभी निगरानी उपकरण सुरक्षित हों और उनका डेटा देश के लिए खतरा न बने। इसके साथ ही सरकार भरोसेमंद सप्लाई चेन और डेटा की सुरक्षा यानी डेटा संप्रभुता पर भी जोर दे रही है। जानकारों के अनुसार नए सर्टिफिकेशन नियमों का असर भारत के सीसीटीवी बाजार में तुरंत दिखाई देने लगा है। जो चीनी ब्रांड कुछ समय पहले तक बाजार का लगभग एक तिहाई हिस्सा रखते थे, अब वे या तो बाहर हो रहे हैं या अपने काम करने का तरीका पूरी तरह बदल रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब भारतीय कंपनियाँ जैसे सीपी प्लस, क्यूबो, प्रामा, मैट्रिक्स और स्पार्श मिलकर बाजार के 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा कर चुकी हैं। वहीं बॉश और हनीवेल जैसी विदेशी कंपनियों ने प्रीमियम सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। दूसरी तरफ चीनी और छोटे खिलाड़ी नियमों का पालन न कर पाने की वजह से बाजार से गायब होते जा रहे हैं। जो कंपनियाँ ज्यादा हद तक चीनी चिपसेट और सॉफ्टवेयर पर निर्भर थीं, उन्हें नए नियमों को पूरा करने में काफी परेशानी हो रही है। हिकविजन जैसी बड़ी कंपनियों को अब भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करने और चीनी सप्लाई चेन से दूर जाने के रास्ते तलाशने पड़ रहे हैं, क्योंकि भारत सरकार के नियम सख्त हो गए हैं। वहीं दहुआ की मौजूदगी बाजार में लगभग 80 प्रतिशत तक घट चुकी है।

इस बदलाव की वजह से लागत में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि अब लोकल स्तर पर चीजें तैयार करनी पड़ रही हैं और दूसरे स्रोतों से सामान लेना पड़ रहा है। हालाँकि बाजार के बड़े खिलाड़ियों ने निचले सेगमेंट में कीमतों को काफी हद तक संतुलित रखा है।

यह पूरा बदलाव अप्रैल 2024 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा लागू किए गए नए नियमों से शुरू हुआ था। इन नियमों के तहत किसी भी प्रोडक्ट को भारत में बेचने से पहले उसकी सुरक्षा जाँच, उसमें इस्तेमाल हाने वाले पाट्र्स का स्रोत बताना और उसकी कमजोरियों की जाँच करना जरूरी कर दिया गया है। 04 फरवरी 2026 को भारत सरकार ने एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें बाजार में हो रहे बदलावों के पीछे की नीति को साफ तौर पर समझाया गया। इस सर्कुलर में बताया गया कि अब सीसीटीवी कैमरों की सुरक्षा से जुड़ी जाँच एक ही तरीके से होगी और इसके लिए एसटीक्युसी यानी मानक परीक्षण औऱ गुणवत्ता सर्टिफिकेशन की जाँच को जरूरी बनाया गया है, जो आवश्यक आवश्यकताओं के ढाँचे के तहत होगी।

सरकार ने दो अहम नियमों को आपस में जोड़ दिया है। पहला है अनिवार्य पंजीकरण आदेश और दूसरा है मेक इन इंडिया के तहत सरकारी खरीद में प्राथमिकता देने वाला नियम। अब इन दोनों के लिए अलग-अलग प्रक्रिया की जरूरत नहीं होगी। एक ही एसटीक्युसी की सुरक्षा जाँच रिपोर्ट दोनों नियमों का पालन करने के लिए काफी होगी। इस फैसले से पहले जो भ्रम की स्थिति थी, वह अब खत्म हो जाएगी और नियमों को लागू करना भी ज्यादा सख्त और आसान हो जाएगा। जानकारों के अनुसार इस सर्कुलर में साफ कर दिया गया है कि सुरक्षा सर्टिफिकेशन का संबंध मेक इन इंडिया के तहत होनो वाली वैल्यू एडिशन यानी स्थानीय हिस्सेदारी की शर्तों से अलग है। आसान शब्दों में कहें तो अगर कोई उत्पाद लोकलाइजेशन यानी देश में बनने के मानकों को पूरा भी करता है, तब भी यह सुरक्षा जाँच से बच नहीं सकता।

यहाँ इंटरनेट से जुड़े उपकरणों के लिए बनने वाली सर्टिफिकेशन योजना यानी आइओटी सिस्टम सर्टिफिकेशन स्कीम की अहम भूमिका होती है। सीसीटीवी कैमरे भी आईओटी डिवाइस माने जाते हैं, यानी ये इंटरनेट से जुड़े उपकरण हैं। इसलिए इनकी जाँच सिर्फ हार्डवेयर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि साइबर सुरक्षा के लिए नजरिए से भी इनकी कड़ी जाँच होती है। इस व्यवस्था के तहत ऐसे उपकरणों को कई सख्त मानकों पर खरा उतरना होता है, जैसे संरक्षित संचार प्रणाली, डाटा को सुरक्षित रखने के लिए एन्क्रिप्शन, छेड़छाड़ से बचाव और हार्डवेयर तक पहुँच को नियंत्रित रखना।

साल 2025 में सरकार ने सर्टिफिकेशन की समय सीमा बढ़ाने से साफ इनकार कर दिया था और यहीं से बाजार में आ रहे मौजूदा बदलाव की नींव पड़ी। उसी समय सरकार ने सीसीटीवी कैमरों की जाँच का दायरा बढ़ाकर सिर्फ हार्डवेयर तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सॉफ्टवेयर और यहाँ तक कि सोर्स कोड स्तर तक की जाँच को भी इसमें शामिल कर लिया।

जैसा कि मई 2025 में ऑपइंडिया की एक रिपोर्ट में बताया गया था, निर्माताओं को अपने उपकरणों को सरकारी लैब में गहनता से सुरक्षा जाँच के लिए जमा करना अनिवार्य कर दिया गया था। इस जाँच में फर्मवेयर का विश्लेषण, एन्क्रिप्शन यानी डाटा को सुरक्षित रखने के तरीके की पड़ताल और उन संभावित कमजोरियों की पहचान शामिल थी, जिनके जरिए कोई दूर से सिस्टम तक पहुँच बना सकता है या डाटा चोरी कर सकता है।

इन नियमों के तहत अधिकारियों को यह अधिकार भी दिया गया कि वे जरूरत पड़ने पर भारत के बाहर स्थित निर्माण इकाइयों का भी निरीक्षण कर सकते हैं। साथ ही कंपनियों के लिए यह जरूरी कर दिया गया कि वे अपने उपकरणों में मजबूत सुरक्षा फीचर्स शामिल करें, जैसे डाटा को सुरक्षित रखने के लिए एन्क्रिप्शन, मालवेयर यानी हानिकार सॉफ्टवेयर की पहचान और उसे रोकने की व्यवस्था और सुरक्षित संचार प्रणाली।

रामस्वरूप रावतसरे

केंद्रीय बलों में आईपीएस की तैनाती का सवाल

इन दिनों संसद की ओर से पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक चर्चा में है। इस विधेयक का उद्देश्य आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती का नियमितीकरण करना है।

इसमें यह प्रविधान है कि पुलिस महानिरीक्षक स्तर के 50 प्रतिशत पद आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। इसी प्रकार अतिरिक्त महानिदेशक स्तर के न्यूनतम 67 प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। जहां तक विशेष महानिदेशक एवं महानिदेशक के पदों का प्रश्न है, समस्त अर्थात सौ प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों के लिए प्रतिनियुक्ति हेतु आरक्षित रहेंगे।

चूंकि उप-महानिरीक्षक एवं कनिष्ठ स्तर के पदों के संबंध में विधेयक मौन है, इसलिए यही लगता है कि इन पदों के संबंध में नियम पूर्व अनुसार ही लागू रहेंगे। प्रस्तावित नियम पांच प्रकार के केंद्रीय बलों क्रमशः सीआरपीएफ, बीएसएफ, आइटीबीपी, सीआइएस-एफ और सशस्त्र सीमा बल पर लागू होंगे। दशकों से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में आईपीएस अधिकारी तैनात रहकर अपना योगदान देते आ रहे हैं। केंद्रीय बलों की मुख्य भूमिका आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा और औद्योगिक सुरक्षा है। ये बल राज्य पुलिस बलों की सहायता के लिए तैनात किए जाते हैं। केंद्र और राज्यों के बलों में बेहतर समन्वय के लिए जरूरी है कि केंद्रीय बलों में आईपीएस अधिकारी तैनात रहें।

भारत में संघीय प्रणाली लागू है। संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत अखिल भारतीय सेवाओं का प्रविधान इसी उद्देश्य से किया गया था ताकि केंद्र और राज्यों में वे अपनी जिम्मेदारियों का निष्पादन कर सकें।

आरके विज

अगर इसी प्रकार यदि बात...

अशोक भाटिया

जब साल्ट एक ही होता है तो जेनेरिक दवा कम असरकारी कैसे हो सकती है?

दवा कंपनियों की अत्यधिक मुनाफाखोरी और भ्रष्ट सरकारी तंत्र (नियामकों/डॉक्टरों) का गठजोड़ भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था को खोखला कर रहा है। जेनेरिक दवाओं के बजाय महंगी ब्रांडेड दवाएं लिखना, डॉक्टरों को उपहार/विदेश यात्रा, और भ्रष्टाचार के कारण दवाओं के अनियंत्रित दाम आम जनता पर बोझ डालते हैं, जिससे जीवन रक्षक दवाएं भी अप्राप्य हो जाती हैं। जब डक्टर को कहा जाता है कि हमें जेनेरिक दवा लिख कर दो तो जवाब होता है कि ये कम असर वाली होती है ।

अगर इसी प्रकार यदि बात ज़हरीली दवाओं की की जाये तो हमें यह समझना होगा कि एक सामान्य-सी दिखने वाली दवा कैसे इतनी घातक बन जाती है। दरअसल प्रत्येक दवा दो प्रकार की चीज़ों को मिलाकर बनती है – पहला उसके सक्रिय तत्व, जो बीमारी का उपचार करते हैं, और दूसरे उसके सहायक तत्व, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि दवा शरीर के उचित हिस्से तक पहुँचे। इसलिए किसी भी औषधि को सुरक्षित घोषित करने से पहले उस पर अनेक प्रकार के परीक्षण (clinical trials) किये जाने आवश्यक होते हैं। सिरपों में प्रायः ग्लिसरीन और प्रोपिलीन ग्लाइकोल को सुरक्षित सहायक तत्व के रूप में उपयोग किया जाता है, लेकिन अक्सर पाया गया है कि लागत घटाने के उद्देश्य से

कई कम्पनियाँ इनकी जगह सस्ते में उपलब्ध डाइएथिलीन ग्लाइकोल (DEG) का प्रयोग करती हैं जो कि एक विषैला औद्योगिक सॉल्वेंट है। DEG का सम्मिलन दवाओं को घातक बना देता है, क्योंकि यह एक ऐसा पदार्थ है जोकि लिवर, दिमाग़ और दिमाग़ की कोशिकाओं को गम्भीर रूप से नुकसान पहुँचा सकता है और इसलिए अन्त में जान बचाने वाली दवा ही मरीज़ की मृत्यु का कारण बन जाती है।

लेखक का स्वयं का अनुभव है कि डॉक्टर की लिखी दवा पैनम डी अपने पास के मेडिकल स्टोर से खरीदी तो वह छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ऑन लाइन मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी । लेखक एक ही दवा को लेकर अलग – अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर लेखक गया। लेखक ने पाया कि एक ही दवा अलग – अलग दुकान पर अलग – अलग नामों से व भावों से बिक रही है। 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है। पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन के एक लेख के अनुसार ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का केमिकल सॉल्ट होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है। गौरतलब है कि देश में जेनरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश जारी किया था । सरकार ने आदेश जारी कर सभी डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं पेशेंट्स के लिए लिखने को कहा था । साथ ही यह चेतावनी भी दी गई थी अगर डॉक्टर जेनरिक दवा नहीं लिखते तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए इस बात की वार्निंग दी थी। केंद्र सरकार ने सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों के डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं ही लिखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी की थी ।पर न जाने क्यों इस आदेश पर अमल नहीं हुआ।

पिछले दस...

ऋषि गुप्ता

संबंध सुधारने को तैयार बांग्लादेश

विश्व राजनीति के भौगोलिक पक्ष को देखा जाए तो ज्ञात होता है कि पड़ोसी देशों से संबंधों में लगातार मधुरता और समन्वय बनाए रखना मुश्किल होता है, वह चाहे अमेरिकी महाद्वीप में अमेरिका और उसके पड़ोसी देशों के बीच हो या फिर दक्षिण एशिया में भारत और उसके पड़ोसियों के बीच। मुश्किल तब आती है, जब तनाव ऐसे पड़ोसियों के साथ हो, जिनकी साझा संस्कृति, इतिहास, बोली-बानी और अन्य समानताएं होती हैं।

पिछले दस वर्षों में नेपाल, श्रीलंका, मालदीव या फिर बांग्लादेश के साथ संबंध लगातार भारत की 'पड़ोसी प्रथम' की नीति की परीक्षा लेते रहे हैं। कई अवसरों पर ऐसा लगा कि किसी तीसरे देश ने खटास-तनाव का फायदा उठा लिया। भारत की विदेश नीति पड़ोसियों के साथ व्यापार करने और आर्थिक संबंधों की तरह ही आत्मीय संबंधों को बराबर महत्व देने की रही है। इससे पड़ोसी देशों से तनाव कम करने में मदद मिली है। इन दिनों भारत-बांग्लादेश संबंधों में भी तनाव की कमी आती दिख रही है।

ज्ञात हो कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने और उनके भारत में शरण लेने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वहां की अंतरिम सरकार ने भारत के साथ संबंध बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बांग्लादेश में भड़का छात्र आंदोलन अवामी लीग नेता और प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन के खिलाफ था। इस हिंसक आंदोलन के चलते उनका भारत आना एक संयोग मात्र था, लेकिन यूनुस सरकार ने भारत पर जिस तरह तंज कसे, उसे चिढ़ाने का काम किया और शेख हसीना के प्रत्यर्पण को अपनी भारत नीति का मुख्य केंद्र बना दिया, उससे संबंध बिगड़े। अपने लगभग डेढ़ साल के कार्यकाल में यूनुस ने बांग्लादेश और भारत के संबंधों को न केवल द्वेष से भरा, बल्कि बांग्लादेश की आजादी और बांग्लादेशी जनता पर अत्याचार करने वाले पाकिस्तान को मित्र देशों में गिना, लेकिन चुनाव होते ही समय ने करवट ली और भारत-बांग्लादेश संबंधों में फिर एक नई ऊर्जा का प्रवाह देखा जा सकता है। इसमें बड़ा कारण है बांग्लादेश में प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत प्रथम की नीति।

बांग्लादेश में फरवरी में हुए चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की भारी जीत ने भारत में मिश्रित भाव पैदा किए, क्योंकि बीएनपी ऐतिहासिक तौर पर भारत के खिलाफ मुखर रहने वाला दल रहा है। इसका कारण भारत का शेख हसीना के प्रति लगाव माना जाता था, पर अवामी लीग की अनुपस्थिति में यह पहली बार है कि बीएनपी का नया नेतृत्व भारत के साथ मधुर संबंधों की वकालत कर रहा है।

जरा हटके

उपमुख्यमंत्री केशव...

डॉ. शैलेश शुक्ला

2027 की तैयारी : उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'सॉफ्ट हिंदुत्व' बनाम 'हार्ड हिंदुत्व' का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक नई बहस छिड़ी हुई है — और यह बहस अगले साल फरवरी-मार्च 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का पहला संकेत है। 5 अप्रैल 2026 को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के इटावा में यमुना के किनारे केदारेश्वर महादेव मंदिर निर्माण की खबर सामने आई। इस मंदिर को उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर से एक इंच नीचे बनाया जा रहा है, दक्षिण भारतीय शैली में, तमिलनाडु के कारीगरों द्वारा, कृष्णशिला पत्थर से। अखिलेश ने इसे 'दैवीय प्रेरणा का निर्णय' बताया है और इसका उद्घाटन अगस्त 2026 में होना है — चुनाव से ठीक पहले। भाजपा के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इसे 'भाजपा के डर से मंदिर बनाना' कहा। सपा का जवाब था कि पार्टी का संविधान में आस्था है और सबको अपनी आस्था का अधिकार है। यह प्रसंग उत्तर प्रदेश की राजनीति की उस गहरी जटिलता को उजागर करता है जिसे समझे बिना 2027 के चुनाव को नहीं समझा जा सकता। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 255 सीटें जीती थीं लेकिन 57 सीटें खोई भी थीं। सपा ने 111 सीटें जीतीं — 2017 की 47 से दोगुने से ज़्यादा। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से सपा ने 37 और भाजपा ने 33 सीटें जीतीं — यानी सपा ने भाजपा से अधिक सीटें पाईं। यह सत्ता-परिवर्तन नहीं था, लेकिन यह एक स्पष्ट चेतावनी थी। अखिलेश के पीडीए — पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक — सूत्र ने एक नया राजनीतिक समीकरण बनाया जिसने भाजपा की जाति-आधारित एकजुटता को चुनौती दी। भाजपा की भीतरी कमज़ोरी का एक कारण यह भी है कि उत्तर प्रदेश में ओबीसी और दलित मतदाता सत्ता के गलियारों में अपना प्रतिनिधित्व कम पाते हैं। भाजपा की सहयोगी अनुप्रिया पटेल ने कई बार योगी सरकार पर ओबीसी और एससी/एसटी उम्मीदवारों को साक्षात्कार आधारित

नियुक्तियों में अयोग्य ठहराने का आरोप लगाया था। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वयं नियुक्ति विभाग को पत्र लिखकर ओबीसी, एससी और एसटी चयन के आँकड़े सार्वजनिक करने की माँग की थी। ये आंतरिक असंतुष्टियाँ भाजपा के लिए 2027 में खतरनाक साबित हो सकती हैं। योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक रणनीति में इन दिनों एक उल्लेखनीय बदलाव दिख रहा है। 'बुलडोज़र बाबा' की छवि से अब वे आर्थिक सुधारक की छवि की ओर बढ़ रहे हैं। विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान उन्होंने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, वृद्ध, दिव्यांग और विधवाओं की पेंशन में बढ़ोतरी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 'भय क्षेत्र' से 'विश्वास क्षेत्र' बन गया है। 2017 से अब तक कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ — यह उनके शासन की केंद्रीय उपलब्धि है। रक्षा विनिर्माण गलियारे, एक्सप्रेसवे और अयोध्या-वाराणसी-मथुरा के धार्मिक पर्यटन अर्थव्यवस्था का विकास — ये उनके 2027 के चुनावी आख्यान के स्तंभ हैं। इस पृष्ठभूमि में नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा का उत्तर प्रदेश के लिए एक सांकेतिक अर्थ भी है। बुंदेलखंड जो कभी बैंडिट क्वीन और दस्यु-समस्या के लिए जाना जाता था, और जो विकास की दौड़ में पिछड़ा हुआ था — वहाँ बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और अन्य परियोजनाओं ने ज़मीनी बदलाव किया है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस

मनुष्य के सबसे सच्चे साथी स्वास्थ्य और स्वस्थ दिनचर्या हैं । स्वास्थ्य स्वस्थ है तो दिनचर्या भी सही होगी । विश्व स्वास्थ्य संगठन का संविधान, जो 7 अप्रैल 1948 को लागू हुआ, ने स्वास्थ्य को पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति के रूप में परिभाषित किया। संविधान के लेखक स्वास्थ्य को रोगों की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर निर्भर एक स्थिति के रूप में देखने की प्रवृत्ति से स्पष्ट रूप से अवगत थे इसलिए उन्होंने उस परिभाषा में जोड़ा कि एक व्यक्ति, अगर उसे स्वस्थ माना जाता है, तो उसे किसी भी बीमारी से ग्रस्त नहीं होना चाहिए । साधारण भाषा में स्वास्थ्य की सबसे सरल परिभाषा जिसे बीमारी की अनुपस्थिति के बराबर माना जाता है । स्वास्थ्य के संवर्धन की परिभाषा को बीमारियों को दूर करने और उनसे पीड़ित व्यक्तियों की संख्या को कम करने के प्रयास के रूप में ले जाएगी। आज स्वास्थ्य की तीन तरह की परिभाषाएं संभव लगती हैं और उनका इस्तेमाल किया जाता है। पहली परिभाषा यह है कि स्वास्थ्य किसी भी बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति है। दूसरी परिभाषा यह है कि स्वास्थ्य एक ऐसी स्थिति है जो व्यक्ति को दैनिक जीवन की सभी मांगों का पर्याप्त रूप से सामना करने की अनुमति देती है (जिसका अर्थ है बीमारी और दुर्बलता की अनुपस्थिति)। तीसरी परिभाषा बताती है कि स्वास्थ्य संतुलन की एक स्थिति है, एक संतुलन जो एक व्यक्ति ने अपने भीतर और अपने सामाजिक और भौतिक वातावरण के बीच स्थापित किया है। आहार का तन-मन पर पूरा प्रभाव होता है । सात्विक आहार मन में सुभाव लाता है जबकि तामसिक अन्न से मन में सद्विचारों का अभाव होता है ।स्वास्थ्य पर भी अन्न अपना पूरा रूप दिखाता है । संतुलित-संयमित-स्वस्थ भोजन तन-मन को स्वस्थ बनाता है जबकि असंयमित , अनुपयुक्त अपरिमित आहार रोगों को निमन्त्रण पत्र भिजवाता है । चूंकि हमारा शरीर भी एक मशीन है जिसे समय-समय पर विश्राम देना ज़रुरी है । अतः कभी-कभी आहार से परे अनाहार रहने से स्वास्थ्य की मांग पूरी होती है ।इससे मन प्रफुल्ल- तन उत्फुल्ल, और जीवन सबल-सफल होगा। अतः भोजन को हम तन-मन की मांग के अनुरुप ढालें , ऋत-मित-हित आहार को अपना कवच बना लें । हमें उपयुक्त खाद्य शैली को सही से अपना कर एक स्वस्थ जीवन जीने की ओर प्रस्थित करते रहना है । वह जीवन को सही स्वस्थ जीने को अभिमुख होना हैं । यही हमारे स्वास्थ्य के लिए काम्य हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

संत भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करें, वृंदावन में संत के पैर छुए

संघ डंडा लेकर दरवाजे पर खड़ा रहेगा : भागवत

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । संत मलूक दास की आज 452वीं जयंती है। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसमें RSS प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

संघ प्रमुख ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा। उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे। संत अपना कार्य करेंगे और हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे। यही हमारी ड्यूटी है। सीएम योगी दोपहर ढाई बजे पहुंचेंगे। हालांकि, उनकी मोहन भागवत से मुलाकात नहीं होगी, क्योंकि तब तक संघ प्रमुख कार्यक्रम से जा चुके होंगे। कृष्ण भक्त संत मलूक दास का जन्म कौशांबी में खत्री परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी साधना स्थली वृंदावन को बनाया।

मोहन भागवत ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पूरे भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी। समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास संतों की समृद्ध परंपरा मौजूद है और हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए।

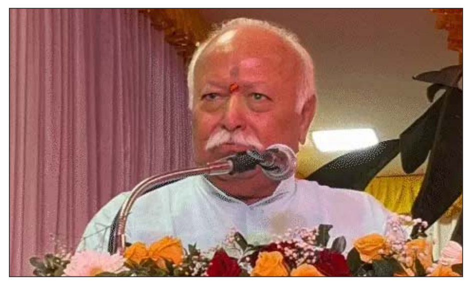

संत अपना काम करें, हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे

समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास संतों की समृद्ध परंपरा मौजूद है। हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए। हमारे यहां व्यक्ति और समाज में ऐसा परिवर्तन आना चाहिए, जिसके लिए जरूरी उदाहरण संतों की मंडली हमारे पास मौजूद है। अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे। संत अपना कार्य करेंगे और हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे। यही हमारी ड्यूटी है।

संघ प्रमुख ने सूर्य से जुड़ा हुआ किस्सा सुनाया

संघ प्रमुख ने कहा- सूरज (सूर्य) ने सोचा कि छुट्टी पर जाएंगे। वह दिन-रात काम करते हैं, कभी छुट्टी नहीं लेते। उन्होंने सभी देवताओं को बुलाया और कहा- भाई, मैं छुट्टी पर जा रहा हूं। मेरा चार्ज कौन लेगा? इस पर चंद्रमा का नाम आया। चंद्रमा ने कहा- महाराज, आप नहीं रहेंगे तो अमावस्या हो जाएगी, मैं आपका चार्ज नहीं ले सकता।

और भी लोग थे, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। इसके बाद सूरज ने प्रकाश और दूर के तारे का नाम लिया। उन्होंने कहा- मैं इतना दूर रहता हूं, मैं प्रकाश नहीं दे सकता। कोई भी सूरज का चार्ज लेने को तैयार नहीं था। आखिर में एक दीप खड़ा हुआ और बोला- मुझे नहीं पता कि मैं आपका चार्ज ले सकता हूं या नहीं। मुझे यह असंभव लगता है, लेकिन मैं आपको एक वचन देता हूं। जब तक मेरा तेल और बाती कायम है, तब तक मैं जलता रहूंगा।

प्रो. वंदना शर्मा के उप-प्राचार्या नियुक्त होने पर किया वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली में प्रो. वंदना शर्मा के उप-प्राचार्या पद पर नियुक्त होने के उपलक्ष्य में 'सेल्फ फाइनेंस' विभागों द्वारा एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न औषधीय व छायादार पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम में स्ववित्तपोषित संकाय अध्यक्ष डॉ. योगेश शर्मा एवं डॉ. जसपाल सिंह के साथ डॉ. अनामिका अग्रवाल, प्रो. प्रतिभा शर्मा, डॉ. अजीता, डॉ. सारा, डॉ. हेमा खन्ना, डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी, डॉ. पूजा, डॉ. अक्षय शुक्ला, डॉ. सीताराम, डॉ. गिरीश कुमार और डॉ. अभिषेक शर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस दौरान शोध छात्रा अंजली कुमारी व निकिता त्रिपाठी तथा एम.एससी. छात्र उन्नति, अभिषेक गौतम व प्रदीप कुमार ने भी सक्रिय रूप से अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी शिक्षकगणों एवं विद्यार्थियों ने प्रो. वंदना शर्मा को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

फास्ट न्यूज

कार दुकान में जाकर पलटी

गोरखपुर। गोरखपुर में चाइना मार्केट के पास करीब सोमवार रात 2 बजे एक कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान में घुस गई। लोगों ने बताया कि कार चालक सामने आए एक युवक को बचाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसने गाड़ी पर नियंत्रण खो दिया और कार सीधे दुकान में जा घुसी। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास के लोग घबरा गए और मौके पर भीड़ जमा हो गई।

किसान की 20 बीघा गेहूं फसल जलकर राख

हैदरगढ़, बाराबंकी। बाराबंकी के कोठी थाना क्षेत्र के उस्मानपुर गांव में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे हाईटेंशन बिजली लाइन से उठी चिंगारी ने किसान की मेहनत को राख कर दिया। करीब 20 बीघा गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। समय रहते ग्रामीणों की सूझबूझ से आग को अन्य खेतों में फैलने से रोका जा सका, लेकिन किसान को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। उस्मानपुर निवासी मोहम्मद अमीन के खेत के ऊपर से 11 केवी और 33 केवी की हाईटेंशन लाइन गुजरती है। मंगलवार दोपहर अचानक लाइन से निकली चिंगारी गेहूं की खड़ी फसल पर गिर गई, जिससे आग लग गई।

गोरखपुर में बुद्ध विहार गेट से टकराई तेज रफ्तार कार

गोरखपुर । गोरखपुर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। यह घटना रात करीब 10 बजे पैडलेगंज स्थित बुद्ध विहार के मुख्य गेट पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नौका विहार की तरफ से आ रही एक फॉक्सवैगन पोलो कार तेज रफ्तार में थी। अचानक नियंत्रण खोने के बाद कार सीधे बुद्ध विहार के गेट से जा टकराई।

शिक्षा की अलख जगाने निकली बच्चों की टोली

गांव-गांव गूंजा 'स्कूल चलो' का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ग्रामीण अंचल में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समय शिक्षा अभियान और स्कूल चलो अभियान के तहत कम्पोजिट विद्यालय भगवा-नीपुरवा ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए पूरे गांव में जनजागरण का माहौल तैयार कर दिया। कार्यक्रम का केंद्र बिंदु बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने खुद आगे बढ़कर शिक्षा का संदेश घर-घर पहुंचाया। विद्यालय से निकली जागरूकता रैली में छात्र-छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पूरे गांव का भ्रमण किया। और "घर-घर विद्या दीप जलाओ, अपने बच्चे सभी पढ़ाओ" और "बेटा-बेटी एक समान, सबको मिले शिक्षा का अधिकार" जैसे नारों से गांव की गलियां गूंज उठीं। बच्चों का उत्साह

और जोश देखते ही बन रहा था, जिससे ग्रामीण भी प्रभावित हुए और कई अभिभावकों ने मौके पर ही बच्चों को स्कूल भेजने का संकल्प लिया। इस दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों से सीधा संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। यदि बच्चे शिक्षित होंगे तो न केवल उनका भविष्य उज्ज्वल होगा, बल्कि समाज और देश भी प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा।

बलिया से वैश्विक सफलता तक, डॉ. संजय कुमार राय ने सनबीम स्कूल, बलिया में छात्रों को किया प्रेरित

लाल डॉ. संजय कुमार राय ने छात्रों को दिखाया आईटी करियर का मार्ग

तमसा संकेत, संवाददाता

बलिया । सनबीम स्कूल, अगरसंडा, बलिया द्वारा अभ्येती हॉल में "आईटी वर्ल्ड में करियर की संभावनाएँ" विषय पर एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष सत्र का संचालन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आईटी विशेषज्ञ एवं ओरिसन सॉल्यूशंस लिमिटेड के सीईओ डॉ. संजय कुमार राय द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम डीएचके ई-डीयूसर्व (DHK e-DUserve) द्वारा संचालित आईटी करियर सीरीज़ के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में उपलब्ध करियर अवसरों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके पश्चात डॉ. संजय कुमार राय ने छात्रों को संबोधित करते हुए अपने जीवन के अनुभवों और संघर्षों को साझा किया। उनका प्रेरणादायक जीवन सफर विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

बलिया जिले के नारही गाँव में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे डॉ. राय ने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपने दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और सकारात्मक दृष्टिकोण के बल पर सफलता की ऊँचाइयों को छुआ। उन्होंने बताया कि जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ ही व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं और यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, तो कोई भी बाधा मार्ग में अवरोध नहीं बन सकती। अपने संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि आज का युग तकनीक का युग है, और आईटी क्षेत्र में अपार संभावनाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसे उभरते क्षेत्रों की जानकारी देते हुए छात्रों को निरंतर सीखने और अपने कौशल को विकसित करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपने करियर से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। डॉ. राय ने सभी प्रश्नों का सरल और व्यावहारिक उत्तर देते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ।

बलिया से अपनी यात्रा शुरू कर अफ्रीका तक का सफर तय किया

डॉ. राय ने अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने बलिया से अपनी यात्रा शुरू कर अफ्रीका तक का सफर तय किया। वर्तमान में वे चार विभिन्न देशों में अपने कार्यालयों का सफल संचालन कर रहे हैं। उनका यह सफर इस बात का सशक्त उदाहरण है कि यदि व्यक्ति में लगन और समर्पण हो, तो वह किसी भी सीमित परिस्थिति से निकलकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकता है।

नवाचार और उद्यमिता को मिलेगा नया आयाम

आईपीईसी में 'आईडीई बूटकैंप 3.0' का हुआ भव्य आगाज़

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंदरप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में इनोवेशन, डिजाइन एवं उद्यमिता बूटकैंप के तीसरे संस्करण का भव्य शुभारंभ किया गया। पांच दिवसीय यह रेजिडेंशियल बूटकैंप 10 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, डिजाइन थिंकिंग और उद्यमिता कौशल को विकसित करना है। यह बूटकैंप अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एवं शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है, जिसके माध्यम से देशभर के छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम का केंद्रीय उद्घाटन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के चेयरमैन प्रो. योगेश सिंह एवं सदस्य सचिव प्रो. श्यामा राठ द्वारा अन्य अधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से संयुक्त रूप से किया गया। वहीं संस्थान स्तर पर चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल एवं निदेशक प्रो. (डॉ.) देवेंद्र कुमार शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वाधवानी फाउंडेशन से डॉ. नीलम सक्सेना एवं प्रो. (डॉ.) सचिन गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके पश्चात अतिथियों को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

यह बूटकैंप छात्रों एवं शिक्षकों के लिए एक सशक्त मंच

संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण ने कहा कि यह बूटकैंप छात्रों एवं शिक्षकों के लिए एक सशक्त मंच है, जो उन्हें रचनात्मकता और नवाचार के साथ समस्या-समाधान के नए दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि वास्तविक जीवन की चुनौतियों, प्रायोगिक गतिविधियों और सहयोगात्मक शिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को स्टार्टअप एवं नवाचार की जटिलताओं को समझने के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अरविंद तिवारी ने बताया कि अब तक 187 प्रतिभागियों ने ऑफलाइन पंजीकरण कराया है, जबकि अन्य प्रतिभागियों का आगमन लगातार जारी है।

घरौनी योजना: हक की उम्मीद या कागजों में कैद हकीकत?

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मथुरा सहित प्रदेश के कई जिलों में घरौनी (स्वामित्व) योजना को लेकर जो उम्मीदें ग्रामीणों ने संजोई थीं, वे अब धीरे-धीरे निराशा में बदलती नजर आ रही हैं। गांवों की आबादी भूमि पर स्पष्ट मालिकाना हक देने की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य जितना सराहनीय था, उसका क्रियान्वयन उतना ही सवालों के घेरे में आ गया है।

एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने घरौनी दस्तावेज से वंचित हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। आखिर ऐसा क्या कारण है कि सर्वे पूरा होने के बावजूद दस्तावेज वितरण की प्रक्रिया ठप पड़ी है?

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि घरौनी का वितरण केवल उद्घाटन कार्यक्रमों तक सीमित नजर आता है। कुछ चुनिंदा लोगों को प्रमाण पत्र देकर योजना की सफलता का प्रचार किया गया, लेकिन वास्तविक लाभार्थी आज भी तहसीलों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। यह स्थिति कहीं न कहीं इस आशंका को जन्म देती है कि क्या योजना का उद्देश्य वास्तव में ग्रामीणों को अधिकार देना था, या केवल कागजी उपलब्धि दिखाना? ग्रामीणों की शिकायतें केवल देरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे प्रशासन की नीयत पर भी सवाल उठा रहे हैं। जब एक योजना का लाभ समान रूप से सभी पात्रों तक नहीं पहुंचता, तो स्वाभाविक है कि पारदर्शिता और निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न हो।

यह भी सच है कि किसी भी बड़े सरकारी कार्यक्रम में तकनीकी अड़चनें और प्रक्रिया संबंधी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय तक समाधान न निकल पाना प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन केवल आश्वासन देने के बजाय जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई करे। लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण, पारदर्शी प्रक्रिया और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों का विश्वास दोबारा बहाल हो सके।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर वेंक्टेश्वरा में शपथ एवं जागरूकता रैली आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित वेंक्टेश्वरा संस्थान एवं विम्स मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "टूगेदर फॉर हेल्थ—स्टैंड विद साइंस" विषय पर शपथ समारोह एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, प्रभारी कुलपति सीए युवराज सिंह, डीन डॉ. प्रभु एम.एच., डॉ. मधु चतुर्वेदी एवं डॉ. सुप्रीति भटनागर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्थान के डॉक्टरों एवं छात्र-छात्राओं ने परिसर में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आयोजित डिबेट एवं क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं तथा हाल ही में नियुक्ति प्राप्त नर्सिंग एवं पैरामेडिकल छात्रों को सम्मानित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं हैं, और वेंक्टेश्वरा समूह इन दोनों क्षेत्रों में प्रभावी कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि विम्स मेडिकल कॉलेज ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों तक सस्ती एवं विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि स्वास्थ्य केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने सभी से "स्वस्थ भारत-स्वच्छ भारत" अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। डॉ. प्रभु एम.एच. ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाने में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हादसा : बच्चों को ठिकाने लगाने जा रहे थे बदमाश, पिता को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

तीन किडनैपर्स की एक्सीडेंट में मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । कहते हैं 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय'। यह कहावत बरेली में उस वक्त सच साबित हुई जब गुड़गांव से अगवा किए गए दो मासूमों की जान बाल-बाल बच गई, जबकि उन्हें ले जा रहे तीन किडनैपर्स की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए, लेकिन कुदरत का करिश्मा देखिए कि दोनों बच्चे सुरक्षित हैं। पुलिस ने बच्चों के पिता को भी बदमाशों के चंगुल से सकुशल मुक्त करा लिया है।

गुड़गांव में ऑटो चलाकर परिवार पालने वाले मनोज का अपहरण उसके ही गांव के मनमोहन ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर किया था। आरोपी मनमोहन ने मनोज और उसके दो बेटों- लक्ष्य (3)और मयूर (6) को अगवा किया और बरेली के फरीदपुर स्थित टांडा सिकंदरपुर में अपने घर ले आया। यहाँ मनोज को बंधक बनाकर कमरे में डाल दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। घायल प्रिंस की निशानदेही पर पुलिस ने फरीदपुर में मनमोहन के घर पर छापा मारा और वहां बंधक बनाकर रखे गए मनोज को सकुशल बरामद किया।

मनोज ने बताया, ₹बदमाशों ने मुझे कमरे में बंद कर दिया था और बच्चों को यह कहकर ले गए थे कि उन्हें उनकी मां को सौंप देंगे। मुझे पुलिस से पता चला कि उनका एक्सीडेंट हो गया और किडनैपर्स मारे गए।₹ मनोज ने जान बचाने के लिए बरेली पुलिस का आभार जताया है। सड़क हादसे की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो बोलेरो में दो बच्चे सुरक्षित मिले। जांच में पता चला कि यह मामला किडनैपिंग से जुड़ा था। घायल आरोपी की निशानदेही पर बच्चों के पिता को भी फरीदपुर से बरामद कर लिया गया है।

बच्चों को शिफ्ट करने के दौरान हुआ हादसा

रविवार दोपहर करीब 3 बजे मनमोहन अपने साथियों के साथ दोनों बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट करने या ठिकाने लगाने के लिए बोलेरो से निकला था। तभी सीबीगंज इलाके में सड़क किनारे खड़े एक टैंकर से उनकी तेज रफ्तार बोलेरो टकरा गई। इस हादसे में मुख्य आरोपी मनमोहन, उसके साथी विशेष यादव और सिकंदर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा साथी प्रिंस गंभीर रूप से घायल हो गया।

वृंदावन में सर्व ब्राह्मण महासभा मित्र मंडल की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में सर्व ब्राह्मण महासभा मित्र मंडल की वृंदावन इकाई की बैठक परिक्रमा मार्ग स्थित संजीव कृष्ण ठाकुर जी के राधा माधव धाम पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्थापक सत्यभान शर्मा ने की।

बैठक में संगठन के विस्तार, नगर की यातायात व्यवस्था तथा यूजीसी रोलबैक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भगवान परशुराम का जन्मोत्सव अक्षय तृतीया के अवसर पर 20 अप्रैल को श्रद्धा और धूमधाम से मनाया जाएगा।

बैठक में राजकुमार शर्मा, राधा बल्लभ शर्मा, बृजेश झा, सोमकांत त्रिपाठी, रूपकिशोर शर्मा एवं गोपाल शर्मा सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजीव शर्मा (राष्ट्रीय प्रवक्ता), मोहन लाल शर्मा (अध्यक्ष), राजेंद्र प्रसाद सारस्वत, अनिल गोस्वामी (संरक्षक), अवध किशोर व्यास (ऑडिटर), विष्णुकांत भारद्वाज (उपाध्यक्ष, बृज क्षेत्र), राजन कृष्ण (जिला मंत्री), अरविंद शर्मा (संगठन मंत्री), नारायण दत्त पाराशर, सुंदर लाल, नितिन शास्त्री एवं संतोष शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 44 संपत्तियां सील होंगी, स्कूल और अस्पताल भी शामिल

सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों का छाती पीट-पीटकर प्रदर्शन

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ के सेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को व्यापारी सड़क पर उतर आए। उन्होंने जोरदार प्रदर्शन किया। कुछ व्यापारियों ने छाती पीट-पीटकर अपना विरोध जताया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 80 भूखंड मालिकों के खिलाफ आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा- आवासीय प्लॉट पर चल रही कमर्शियल एक्टिविटी को हटाया जाए। इस पर आवास विकास से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई थी, लेकिन अधिकारी समय पर रिपोर्ट नहीं दे सके।

इसके बाद 6 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई। कोर्ट ने पूर्व कमिश्नर ऋषिकेश भास्कर यशोद से जवाब मांगा। 24 घंटे के अंदर 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया।

मंगलवार को प्रशासन ने 44 संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई शुरू कर दी। इनमें आवासीय प्लॉट पर चल रहे स्कूल, बैंक और नर्सिंग होम भी शामिल हैं।

कार्रवाई के विरोध में सोमवार रात से ही सेंट्रल मार्केट और आसपास के इलाकों में हंगामा शुरू हो गया था। देर रात से मार्केट में पुलिस बल तैनात है।

मेरठ की सेंट्रल मार्केट में होने वाली सीलिंग की कार्रवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कमर्शियल गतिविधियां बंद करने का दिया आदेश

27 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने मेरठ के 80 भूखंड मालिकों को बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने आवासीय प्लॉट पर चल रही कमर्शियल गतिविधियां बंद करने का आदेश दिया और आवास विकास से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। हालांकि, तय समय सीमा के भीतर यह रिपोर्ट दाखिल नहीं हो सकी।

इस बीच व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान कर दिया। स्थिति को संभालने के लिए आवास विकास ने समाधान पेश किया। भूखंड मालिकों को नोटिस देकर कहा गया कि वे शुल्क जमा कर अपने प्लॉट को आवासीय से कमर्शियल में बदल सकते हैं। इसके लिए 36 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर तय की गई। साथ ही सेटबैक नियम के तहत दुकानों को पीछे करना भी जरूरी था। कई व्यापारियों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और नियमों के अनुसार बदलाव भी शुरू कर दिए।

मेरठ की सेंट्रल मार्केट में 44 संपत्तियों को सील करने के विरोध में व्यापार संघ के आह्वान पर समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करने की घोषणा की है। यह बंदी उसी तारीख को रखी गई है, जिस दिन सुप्रीम कोर्ट में इस प्रकरण की अगली सुनवाई भी है।

24 घंटे में 44 संपत्तियां सील करने का आदेश

6 अप्रैल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा सख्ती दिखाई। कोर्ट ने पूर्व कमिश्नर ऋषिकेश भास्कर यशोद से जवाब मांगा। 24 घंटे के भीतर 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दे दिया। इन संपत्तियों में बैंक, स्कूल और अस्पताल भी शामिल हैं। कोर्ट ने इन्हें शिफ्ट कर सील करने को कहा। आदेश के बाद संबंधित दुकानों को खाली कराने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूर्व कमिश्नर से यह भी पूछा कि उन्होंने ध्वस्तीकरण रोकने का आदेश किस आधार पर दिया।

उन्होंने सफाई दी कि संबंधित कॉम्प्लेक्स में कार्रवाई लगभग पूरी हो चुकी थी। जनप्रतिनिधियों की सहमति से निर्णय लिया गया था। बाद में उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा भी दाखिल किया।

हाईवे पर बड़ी कार्रवाई डोडापोस्त से भरा ट्रक पकड़ा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के कस्बा राया में मंगलवार सुबह नारकोटिक्स टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडापोस्त से भरा एक ट्रक पकड़ लिया। राजस्थान से पंजाब जा रहे इस ट्रक को हाईवे कट पर घेराबंदी कर रोका गया। सूचना के आधार पर पहुंची नारकोटिक्स टीम ने ट्रक संख्या पीबी 11 सीआर 6535 की तलाशी ली। जांच के दौरान ट्रक में केमिकल के बोरो के पीछे छिपाकर रखे गए करीब साढ़े तीन सौ किलो डोडापोस्त के छिलके बरामद किए गए। इन छिलकों का इस्तेमाल अवैध रूप से नशीले पदार्थ तैयार करने में किया जाता है। कार्रवाई के दौरान टीम ने ट्रक चालक सहित कुल छह लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों के पास से 65 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

यह संयुक्त कार्रवाई एएनटीएफ टीम भरतपुर और जयपुर की नारकोटिक्स टीम द्वारा की गई। अभियान में निरीक्षक अमरसिंह और पूरनमल मीणा सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारत के सनातन राजा राम हैं : सीएम योगी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वृंदावन में आयोजित संत मलूकदास की 452वीं जयंती समारोह में भाग लेते हुए कई ऐतिहासिक और धार्मिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि "भारत के सनातन राजा राम हैं, और कोई नहीं।" मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में संभल स्थित हरिहर मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1526 में बाबर के अनुयायियों द्वारा मंदिर को तोड़ा गया था। उन्होंने बताया कि उस स्थल पर 67 तीर्थ और 19 कूप मौजूद थे। साथ ही उन्होंने 1976 और 1978 में हुए दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं में सैकड़ों हिंदुओं की जान गई थी और बाद में सपा सरकार में मुकदमे वापस करा दिए गए।

सीएम योगी ने कहा कि अब उस क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। वहां सड़क और धर्मशाला का निर्माण कराया जा रहा है तथा परिक्रमा भी शुरू कराई जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर उपस्थित संतों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी संत मलूकदास जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर शाम करीब 4:15 बजे वृंदावन स्थित पवनहंस हेलीपैड पर उतरा। उनके आगमन की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर सक्रिय नजर आए।

एमआईटी में बी.कॉम छात्रों का शानदार फेयरवेल

'द लास्ट लेजर', रंगारंग प्रस्तुतियों से सजी यादगार पार्टी

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के बी.कॉम विभाग द्वारा आयोजित विदाई समारोह "द लास्ट लेजर" हर्षोल्लास, उत्साह और भावनात्मक माहौल के बीच भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए नृत्य, संगीत और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बांध दिया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने कॉलेज जीवन के सुनहरे पलों को एक बार फिर जीवंत किया। पूरे कार्यक्रम में मनोरंजन, उमंग और भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने इस शाम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में बी.कॉम ऑनर्स की तनिष्का को मिस फेयरवेल तथा अभिषेक को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। वहीं बी.कॉम एनईपी से नूहा को मिस फेयरवेल और अर्जुन को मिस्टर फेयरवेल के खिताब से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर डॉ. के. एल. खान, प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा एवं डीन डॉ. गौरव शर्मा ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जीवन में निरंतर प्रगति करने, अनुशासन बनाए रखने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को सफल और भव्य बनाने में डॉ. मीनाक्षी वर्मा का विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन, सहयोग और समर्पण ने समारोह को सुव्यवस्थित और यादगार स्वरूप प्रदान किया।

सरकारी नल की मशीन चोरी, राहगीर व ग्रामीण प्यासे लौटे

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुहाँ (मथुरा)। क्षेत्र के चौमुहाँ-पसौली मार्ग पर बीती रात अज्ञात चोरों ने सरकारी नल की मशीन चोरी कर ली, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सुबह जब लोग पानी भरने पहुंचे तो नल की मशीन गायब देख उनके होश उड़ गए।

बताया जा रहा है कि पसौली गांव की आधी से अधिक आबादी अपनी दैनिक जरूरतों और पीने के पानी के लिए इसी सरकारी नल पर निर्भर थी। यही नहीं, इस मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों राहगीर भी इसी नल से अपनी प्यास बुझाते थे।

शनिवार सुबह जब ग्रामीण बाल्टी और बर्तन लेकर पानी भरने पहुंचे तो वहां नल की मशीन नहीं मिली। चौमुहाँ निवासी सतीश चोपड़ा, दीपक और कान्हा ने बताया कि यह नल स्थानीय लोगों और राहगीरों के लिए पानी का प्रमुख स्रोत था। चोरों द्वारा जनसुविधा को निशाना बनाना बेहद निंदनीय है।

पानी न मिलने के कारण पसौली के दर्जनों ग्रामीणों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा, जिससे गांव में भारी आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल, नल की मशीन चोरी होने से पूरे इलाके में पानी की किल्लत बनी हुई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

फरह बाजार में कपड़े की दुकान में भीषण आग, लाखों का नुकसान

मथुरा। थाना फरह क्षेत्र के कस्बा फरह स्थित मेन मार्केट में देर रात एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना अशोक अग्रवाल मार्केट की बताई जा रही है, जहां दर्जी की दुकान में पूरी रात आग सुलगती रही। सुबह जब आसपास के लोगों को घटना की जानकारी हुई तो दुकान का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। दुकान मालिक लोटन सिंह (यौरा वाले) की सिलाई मशीनें, इनवर्टर सहित बड़ी मात्रा में कपड़े आग की भेंट चढ़ गए।

प्राथमिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। दुकान में रखा लगभग पूरा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे पीड़ित व्यापारी को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। हैरानी की बात यह रही कि घटना स्थल थाना फरह से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जा सका।

थ्रेशर में फंसकर टुकड़ों में कटा छात्र

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार दोपहर गेहूं की कटाई करते समय थ्रेशर मशीन की चपेट में आकर 10वीं के छात्र मौत हो गई। छात्र मशीन में फसल डाल रहा था। तभी उसका हाथ फंस गया। फिर मशीन ने उसे अंदर खींच लिया। इससे वह सिर के बल मशीन में चला गया। मशीन में फंसकर छात्र की सिर और धड़े के टुकड़े-टुकड़े हो गए। हादसा देखकर आसपास काम कर रहे लोग घबरा गए। तुरंत अपना काम बंदकर दौड़े और थ्रेशर को बंद किया। हादसा इतना गंभीर था कि छात्र धड़ पूरी तरह थ्रेशर में चला गया था। सिर्फ पैर ही बाहर मिले। हादसे में राजकुमार के 18 साल के बेटे सुमित कुमार की मौत हुई है। घटना बहरिया थाना क्षेत्र के मजूरा गांव की है। बहरिया थाना क्षेत्र के मजूरा गांव में राजकुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा सुमित कुमार (18) साल 10वीं क्लास में पढ़ाई करता था। पढ़ाई के साथ दूसरे के खेतों में काम करता था।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत एवं बाबा रामदेव ने भारतीय संस्कृति सनातन परम्पराओं के बारे में रखे अपने विचार

वृंदावन में मलूक पीठ पर भव्य धार्मिक आयोजन, गौ संरक्षण का संदेश गूंजा

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। मलूक पीठ में आचार्य राजेंद्र दास महाराज के सानिध्य में एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत एवं योग गुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान दोनों विशिष्ट अतिथियों ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मोहन भागवत ने कहा कि गौ संरक्षण भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसके प्रति जागरूक होकर योगदान देना चाहिए। उन्होंने गौ रक्षा को धार्मिक के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में मोहन भागवत, मलूक पीठाधीश्वर डॉ राजेंद्र दास महाराज, बाबा रामदेव, गोरेलाल महाराज, बाबा बलराम दास, लाडली शरण जी, फूलडोल जी, धीर समीर वाले महाराज एवं गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी मंच पर उपस्थित रहे।

वहीं बाबा रामदेव ने अपने संबोधन में गौ संवर्धन एवं जैविक कृषि के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौ आधारित खेती और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा। साथ ही उन्होंने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। आचार्य राजेंद्र दास महाराज ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता फैलाने और सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मंच से संबोधन कार्यक्रम में बाबा रामदेव, मलूक पीठ जी महाराज एवं मोहन भागवत ने मंच से श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

महर्षि कश्यप जयंती पर आस्था का महासंगम, जयकारों की गूंज

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। ऐतिहासिक एवं पौराणिक नगरी हस्तिनापुर में महर्षि कश्यप जयंती का पर्व इस वर्ष अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। पूरे नगर में "महर्षि कश्यप जिंदाबाद" के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। नगर पंचायत स्थित अस्पताल गेट के समीप आयोजित मुख्य कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य मंच पर महर्षि कश्यप की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आरती उतारी गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की। इस दौरान महिलाओं एवं युवतियों में विशेष उत्साह नजर आया। भजन गायकों ने महर्षि कश्यप की महिमा का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। समाज के प्रबुद्ध जनों ने महर्षि कश्यप के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हस्तिनापुर ब्लॉक प्रमुख नितिन पोसवाल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में उपज संगठन (पत्रकार एसोसिएशन) के जिलाध्यक्ष अजय चौधरी, जिला मंत्री सुनील पोसवाल, धर्मेंद्र सभासद, राजेंद्र सिंह कश्यप, बाबूराम कश्यप एवं प्रेम कश्यप (अपलातून कश्यप) शामिल रहे। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में महर्षि कश्यप को सृष्टि के महान सृजक के रूप में नमन करते हुए समाज के उत्थान एवं एकता पर बल दिया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। पूरे मार्ग में जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

औद्योगिक क्रांति ...

उन्होंने बताया कि प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्रा. लि., नोएडा द्वारा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से आवंटित 26.1 एकड़ भूमि पर 'मेट्रो विश्वविद्यालय' स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे विधिक प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण के उपरांत स्वीकृति दी गई है। इसके लिए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची में संशोधन करते हुए 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026' प्रख्यापित किए जाने तथा प्रायोजक संस्था को संचालन प्राधिकार-पत्र निर्गत करने का निर्णय लिया गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे तथा युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी। यह पहल राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता संवर्धन और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और कौशल विकास के अवसर भी बढ़ेंगे।

कश्मीर में 16 साल ...

जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में LeT के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

ईरान की पूरी ...

कौन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार और क्रांतिकारी हो सकता हो?

ट्रम्प ने दावा किया कि आज रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे। 47 सालों की ज्यादती, भ्रष्टाचार और मौत का सिलसिला आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईश्वर ईरान के लोगों की रक्षा करे।

ट्रम्प की धमकी पर साउथ अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने जवाब दिया है। ईरान ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को ईरान की प्राचीन सभ्यता से ऐसा जवाब मिलेगा, जिसे कभी भूल नहीं पाएंगे।

कतर ने मंगलवार को चेतावनी दी कि मिडिल ईस्ट की स्थिति एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां हालात काबू से बाहर जा सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने कहा कि सभी पक्षों से अपील की जा रही है कि वे हालात और बिगड़ने से पहले इस युद्ध का समाधान निकालें। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका की तय डेडलाइन से पहले क्या तनाव कम हो सकता है, तो उन्होंने कहा कि कोशिश यही है कि स्थिति बेकाबू होने से पहले कोई रास्ता निकले।

कतर ने यह भी साफ किया कि ईरान के साथ कोई भी समझौता सभी क्षेत्रीय देशों की सहमति से होना चाहिए और किसी को बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

कतर चाहता है कि इलाके की सुरक्षा के लिए साझा व्यवस्था बने, जिसमें अंतरराष्ट्रीय गारंटी भी हो और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया जाए। कतर ने यह भी कहा कि वह फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की भूमिका नहीं निभा रहा है।

ईरान में कई जगहो...

सबसे बड़ा हमला खार्ग आइलैंड पर हुआ, जहां ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90% कच्चा तेल यहीं से एक्सपोर्ट होता है। इसी दौरान कोम और कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया।

मणिपुर में बम हमले ...

जवाबी फायरिंग में 2 की मौत हो गई, पांच घायल हो गए। मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस को 3 दिनों के लिए बंद कर दिया है।

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनसे कानून के तहत सख्ती से निपटा जाएगा। खेमचंद ने कहा कि यह हमला एक बर्बर हरकत है और इंसानियत पर सीधा हमला है। यह मणिपुर में मुश्किल से मिली शांति को पटरी से उतारने की कोशिश है।

असम पुलिस की ...

असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आगे कहा ही हिमंता की पत्नी 52 हजार करोड़ रुपए की अमेरिकी कंपनी की भी मालिक हैं। अमेरिका में हिमंता की पत्नी रिंकी भुइंया सरमा की एक कंपनी है। इस कंपनी की मेंबर लिस्ट में रिंकी भुइंया सरमा, हिमंता बिस्वा सरमा और उनके बेटे का नाम है। इस कंपनी का बजट 52,000 करोड़ रुपए का है। उन्होंने दावा किया की रिंकी सरमा की दुबई में 2 प्रॉपर्टी हैं, जिसकी पूरी जानकारी उपलब्ध है।

पवन खेड़ा ने किस ...

खेड़ा ने मुख्यमंत्री के भारतीय चुनावी कानूनों के पालन पर भी सवाल उठाए और इस बात पर ज़ोर दिया कि इन संपत्तियों का ज़िक्र सरमा के चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया था.

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या रिनकी सरमा के पास भारतीय नागरिकता और पासपोर्ट है. भारत दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं देता है.

यह भी पढ़ें: 'पैसों का हेरफेर हो रहा...', कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने CM हिमंता की पत्नी पर लगाए आरोप

कांग्रेस नेता ने हिमंत बिस्वा सरमा की गिरफ़्तारी और आगामी विधानसभा चुनावों से उनकी अयोग्यता की मांग की है. उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी अघोषित अंतरराष्ट्रीय संपत्तियां भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती हैं. अगर चुनाव नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे, तो वे विदेश भागने की कोशिश कर सकते हैं.

सभा : एआईएमआईएम...

उन्होंने कहा कि पार्टी सभी समाज के लोगों के लिए काम करने का दावा करती है।

सबरीमाला मंदिर में ...

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा- इस मामले में अनुच्छेद 17 यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अछूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अछूतपन न रह जाए।

सरकार ने कहा, 'हर धार्मिक समूह की प्रथाओं का सम्मान करना चाहिए और हर चीज को गरिमा या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी मजार या गुरुद्वारे में सिर ढकना जरूरी है, तो इसे अधिकारों का हनन नहीं कहा जा सकता।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है।

आईपीएल-2026 में पहला बेनतीजा मैच, 22 गेंदें ही डाली जा सकीं, दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले

कोलकाता-पंजाब मैच बारिश में धुला

रुकावट

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) और पंजाब किंग्स (PBKS) के बीच का IPL मैच बारिश के कारण बेनजीता रहा है। मौजूदा सीजन में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ा है। कोलकाता में सोमवार शाम से रुक-रुककर हल्की बारिश होती रही।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में होम टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने 3.4 ओवर में दो विकेट पर 25 रन बनाए थे, तभी शाम 7:46 बजे बारिश आ गई। कप्तान अजिंक्य रहाणे को 8 और अंगकृष रघुवंशी को 7 रन पर नाबाद लौटना पड़ा। दूसरे ओवर में जेवियर बार्टलेट ने कैमरन ग्रीन (4 रन) और फिन एलन (6 रन) को पवेलियन भेज दिया।

बारिश के कारण मैदान को कवर करता ग्राउंड स्टाफ।

मैच बेनतीजा रहने के बाद पंजाब और कोलकाता को एक-एक अंक मिले। एक अंक के सहारे पंजाब की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई। जबकि कोलकाता की टीम 8वें नंबर पर है।

दोनों टीमों की प्लेइंग

कोलकाता नाइट राइडर्सः फिन एलेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरन ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रोवमन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी।

पंजाब किंग्सः प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कॉनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहाल वाढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसेन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार वैशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल।

कोलकाता में करीब ढाई घंटे तक रुक-रुककर बारिश होती रही।

रात 9:10 बजे तक मैच शुरू नहीं हो सका, क्योंकि कोलकाता में रुक-रुककर बारिश हो रही है। अब मैच शुरू होने की स्थिति में ओवर्स में कटौती होगी। रात 11:14 बजे तक 5-5 ओवर तक मैच हो सकेगा। फिलहाल, कोलकाता में बारिश जारी है और मैच रुका हुआ है। रात 9:10 बजे के बाद ओवर्स में कटौती की जाएगी। कोलकाता में एक बार फिर बारिश लौट आई है। ऐसे में ग्राउंड स्टाफ ने मैदान को फिर से कवर कर दिया है। कोलकाता में बारिश रुक चुकी है। ग्राउंड स्टाफ मैदान से कवर्स हटा रहा है। मैच कुछ ही देर में शुरू हो सकता है। कोलकाता में बारिश शुरू हो गई है। इस वजह से खेल को रोका गया है। मैदान को कवर कर दिया गया है।

कोलकाता में बारिश रुकी, कवर्स हटाए जा रहे

कोलकाता में बारिश रुक चुकी है। यहां शाम से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मुकाबले की कटऑफ टाइमिंग 11:14 बजे है यानी कि इस समय तक मैच शुरू हो पाया तो 5-5 ओवर का खेल होगा।

कोलकाता में बारिश तेज हो गई है। अब तक अंपायर्स ने मैदान का निरीक्षण भी नहीं किया है। पिछले एक घंटे से मैच रुका हुआ है। ज्यादा देर होने पर ओवर्स में कटौती की जा सकती है।

क्रिकेट मैदान से दिल दहला देने वाली घटना

रन आउट फैसले को लेकर अंपायर की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट एक अनिश्चितताओं का खेल है, जहां कब क्या हो जाए इसकी खबर किसी को नहीं होती है। चौके-छक्के लगाने या विकेट लेने तक ही ये सीमित नहीं है, लेकिन इस खेल की छवि तक खराब होने लगती है, जब कुछ ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिससे हर कोई दंग रह जाता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिससे क्रिकेट जगत सन्न रह गया। ये मामला विशाखापट्टनम में एक लोकत मैच के दौरान का है, जिसमें रन आउट को लेकर खिलाड़ियों के बीच विवाद हुआ और मैदान पर दोनों अंपायर्स ने मालता शांत करवाया, लेकिन ये मामला तो तब बढ़ गया कि अंपायर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस मैच में डोला अजिब बाबू और बुडुमुरी चिरंजीवी अंपायरिंग कर रहे थे। दरअसल, विशाखापट्टनम में एक लोकल मैच के दौरान 2 इलाकों के खिलाड़ियों के बीच रन-आउट के फैसले को लेकर बहस छिड़ी। इस दौरान फैंस भी मैदान पर आ गए। दोनों ही अंपायर्स ने मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन एक दर्शक गुस्से में अंपायर्स को अपशब्द कहने लगा। सर्किल इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों अंपायर्स ने बीच-बचाव किया और मैदान पर ही मामला सुलझा लिया। हालांकि, दर्शकों में से एक कांता किशोर गुस्सा हो गया और अंपायर्स के साथ खिलाड़ियों को गालियां देने लगा।

2400 करोड़ के नुकसान के लिए ललित मोदी ने लगाई लताड़

- शुरू में तय किए गए फॉर्मेट का पालन नहीं कर रही बीसीसीआई- ललित मोदी
- आईपीएल टीमों और बीसीसीआई को हर सीजन 2400 करोड़ का नुकसान- ललित
- बोर्ड इन नुकसानों की भरपाई के लिए होम-एंड-अवे फॉर्मेट पर वापस आए

नई दिल्ली। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजियों (IPL Franchises) को लेकर एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि आईपीएल मैचों की संख्या कम होने की वजह से हर सीजन करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों को हो रहा है। दरअसल, ललित मोदी के अनुसार, शुरू में ये तय किया गया था कि हर टीम एक-दूसरे के साथ दो मैच (होम-अवे) खेलेगी। 2022 में लीग के 10 टीमों तक बढ़ने के साथ, नियमों के मुताबिक 90 मैचों का लीग चरण रखा गया, जिसके बाद चार नॉकआउट मैच खेले जाते थे। हालांकि, IPL ने 'होम-एंड-अवे' सिस्टम में बदलाव करके केवल 74 मैचों के साथ ही काम जारी रखा है। हर मैच से होने वाली कमाई का 50 प्रतिशत बीसीसीआई को मिलता है और बाकी 50 प्रतिशत टीमों में बांट दिया जाता है। ऐसे में टीमें अब हर सीजन 20 मैचों की कमाई गंवा रही हैं। ये एक कॉन्ट्रैक्ट की जिम्मेदारी है कि टीमें जितनी फीस दे रही हैं, उसके बदले उन्हें 'होम-एंड-अवे' मैच खेलने का मौका मिले।

उन्होंने आगे कहा, आईपीएल की असली वैल्यू 'होम-एंड-अवे' फॉर्मेट में ही छिपी है। अगर आपके कैलेंडर में मैचों के लिए जगह नहीं थी, तो आपको टीमों की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए थी।

साहिबजादा फरहान ने स्टीव स्मिथ को सिंगर लेने से रोका, बिग बैश में स्मिथ ने बाबर को सिंगल लेने से किया था मना

साहिबजादा फरहान ने स्टीव स्मिथ से लिया 'पुराना बदला'

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) 2026 में स्टीव स्मिथ का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। उनकी शानदार बैटिंग की वजह से मुल्तान सुल्तांस की टीम 5 मैचों के बाद PSL प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर बनी हुई है। लेकिन इसी बीच, स्मिथ और उनके ओपनिंग जोड़ीदार साहिबजादा फहान के बीच हुई एक घटना तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। मुल्तान सुल्तांस और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बीच खेले गए एक मैच के दौरान फरहान ने स्टीव स्मिथ को ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेने से मना कर दिया था। हालांकि, स्टीव स्मिथ रन लेने के लिए बेताब थे ताकि अगले ओवर में स्ट्राइक अपने पास रख सकें, लेकिन साहिबजादा फरहान ने उन्हें सिंगल देने से साफ मना कर दिया। इस घटना के बाद फैंस इसे बाबर आजम से कनेक्शन जोड़ रहे हैं।

जैसे ही ये वीडियो वायरल हुआ, फैंस को बिग बैश लीग (BBL) का वो पुराना किस्सा याद आ गया जब स्टीव स्मिथ और बाबर आजम एक साथ खेल रहे थे। उस वक्त स्मिथ ने बाबर आजम को स्ट्राइक देने से मना कर दिया था ताकि वो खुद बैटिंग कर सकें। सोशल मीडिया पर फैंस अब मजे ले रहे हैं और कह रहे हैं कि साहिबजादा फरहान ने बाबर आजम के उस 'अपमान' का बदला अब स्टीव स्मिथ से ले लिया है। लोग इसे कर्मा बता रहे हैं। ये पूरी घटना पिछले रविवार की है। स्टीव स्मिथ ने मुल्तान सुल्तांस को तूफानी शुरुआत दिलाई थी और वह तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर सिंगल लेकर चौथे ओवर में भी स्ट्राइक अपने पास रखना चाहते थे। लेकिन, साहिबजादा फरहान ने उन्हें रन लेने से मना कर दिया। फरहान के इस बर्दाश्त न करने वाले रवैये पर स्मिथ थोड़े नाराज भी नजर आए, जिसे देख फैंस को तुरंत बिग बैश लीग (BBL) का वो पुराना पल याद आ गया।

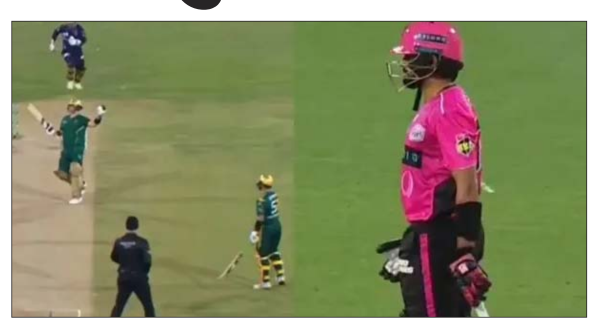

स्टीव ने बाबर को सिंगल लेने से रोका था

जनवरी 2026 में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए स्मिथ ने 'पावर सर्ज' के दौरान बाबर आजम को सिंगल देने से मना कर दिया था। 190 रन के चेज के दौरान स्टीव ने ऐसा किया था। उस वक्त स्मिथ के उस इनकार से बाबर आजम झल्ला उठे थे, लेकिन स्मिथ पावर सर्ज का फायदा उठाना चाहते थे, जिस वजह से उन्होंने ये फैसला लिया था। इसके तुरंत बाद बाबर आउट हो गए थे और उनके चेहरे पर साफ निराशा देखी गई थी। अब फरहान द्वारा स्मिथ को रन न देने की तुलना उसी पुरानी घटना से फैंस सोशल मीडिया पर कर रहे हैं। कुछ लोग तो इसे बाबर आजम का बदला तक बता रहे हैं। अगर PSL 2026 के प्रदर्शन की बात करें, तो स्मिथ ने क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ 35 गेंदों में 53 रनों की धुआंधार पारी खेलकर मुल्तान सुल्तांस को जीत दिलाई। टीम ने 167 रनों का लक्ष्य 2 ओवर पहले ही हासिल कर लिया।

मनोरंजन

मिर्जापुर के बाद ओटटी पर फिर दहाड़ने आए विजय वर्मा, रिलीज हुआ, मटका किंग का ट्रेलर

अमीरी, जुआ और मटके का खेल

नई दिल्ली। इस वक्त ओटीटी पर नई फिल्मों और वेबसीरीज का एलान हो रहा है। बीते दिनों ही प्राइम वीडियो सालभर में आने वाली अपनी वेबसीरीज और फिल्मों की घोषणा की थी और लीजिए इसी बीच अब विजय वर्मा की मचअवेटिड ओरिजिनल ड्रामा मटका किंग का शानदार ट्रेलर रिलीज हो गया है।

जी हां, विजय वर्मा की आने वाली सीरीज मटका किंग (Matka King Trailer) के ट्रेलर में वो सब नजर आया है, जो इसे और भी ज्यादा ड्रामेटिक बना रहा है। ट्रेलर 1960 के दशक की कहानी नजर आई है। जहां, तेजी से बदलते बॉम्बे की एक दिलचस्प कहानी दिखती है। यहां एक कपास व्यापारी मुश्किलों से लड़ते हुए 'मटका' नाम के जुए के साम्राज्य को खड़ा कर देता है। पैसे की तंगी और समय के पहिए से अपनी किस्मत की लकीरों को बदलकर वो दौलत के शिखर पर पहुंचता है। 'मटका' के जरिए वो अमीरों के इस शौक को पूरे देश का जुनून बना देता है। लेकिन दांव जितना बड़ा होता है, अंजाम उतना ही खतरनाक होता है, और जो एक सपने के रूप में शुरू हुआ था, वह सब कुछ तबाह भी कर सकता है। इसी बीच कई उतार-चढ़ाव आते हैं और इसी कहानी से सजी मटका किंग की कहानी।

सीरीज के लिए उत्साहित हैं विजय वर्मा

आपको बता दें कि 'मटका किंग' की कहानी में विजय वर्मा लीड रोल निभा रहे हैं। इसके साथ ही कृतिका कामरा, सई तम्हानकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा भारत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगडे, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम रोल निभा रहे हैं।

आपको बता दें कि 'मटका किंग' सीरीज 17 अप्रैल से अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस सीरीज को नागराज पोपटराव मंजुले ने डायरेक्ट किया है तो नहीं नागराज ने अभय कोरान्ने के साथ मिलकर इसे लिखा भी है। अब देखना ये है कि मटका किंग क्या धमाल मचाती है।

1600 करोड़ कमाने के 18 दिन बाद 'धुरंधर 2'

नई दिल्ली। रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' (Dhurandhar 2) की आंधी बॉक्स ऑफिस पर रुकने का नाम नहीं ले रही है। यह फिल्म अब बस 'पुष्पा 2', 'बाहुबली 2' और आमिर खान की 'दंगल' का रिकॉर्ड तोड़ने से कुछ ही कदम दूर है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर महज 18 दिनों के अंदर 1600 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस करने वाली फिल्म 'धुरंधर 2' पर रिलीज के बाद एक बार फिर सेंसर बोर्ड की कैंची चली है। रिपोर्ट्स की मानें तो, रणवीर सिंह और संजय दत्त स्टारर इस स्पाई-थ्रिलर फिल्म के नए प्रिंट में सीन्स से लेकर डायलॉग्स तक में कई अहम बदलाव किए गए हैं।

बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के मुताबिक, 'धुरंधर 2' के मेकर्स ने रिलीज के बाद भी कई चीजें फिल्म में अपडेट की हैं और पिछली गलतियों को सुधारा है। इनमें से एक गलती यह थी कि मेकर्स 'पिंडा' और 'हमजा' के बीच हुए फाइट सीन के दौरान गलती से फ्रेम में आ गए कैमरामैन का फुटेज हटाना भूल गए थे। हालांकि, अब अपडेटेड वर्जन में इस फुटेज को हटा दिया गया है।

रिपोर्ट्स की मानें तो पुराने वर्जन में कुछ गालियों को तो म्यूट कर दिया गया था, लेकिन उनमें से कई अपशब्द फिल्म में रह गए थे। अब नए प्रिंट में कई और अभद्र शब्दों पर सेंसर बोर्ड ने कैंची चला दी है।

तमिल एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव मिला

मौत से पहले कॉल पर हुआ था पति से झगड़ा, दो साल पहले हुई थी शादी

नई दिल्ली। साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव उनके चेन्नई स्थित अपार्टमेंट में मिला है। 36 साल की एक्ट्रेस डिप्रेशन में थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मौत से कुछ समय पहले ही उनका पति से वीडियो कॉल पर झगड़ा हुआ था।

सुभाषिनी, चेन्नई के इयप्पंथंगल इलाके में किराए के फ्लैट में रह रही थीं, जहां उनका शव मिला है। उन्होंने 2 साल पहले 2024 में बिपिन चंद्रन से शादी की थी। कुछ समय से दोनों अलग रह रहे थे। 6 अप्रैल को मौत होने से पहले उन्होंने पित बिपिन को वीडियो कॉल किया था, जिसमें दोनों का झगड़ा हुआ था।

पुलिस जांच के अनुसार, झगड़े के बाद ही सुभाषिनी ने आत्महत्या की है, हालांकि अब तक मौत का सटीक कारण और वजह सामने नहीं आ सकी ही।

शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सुभाषिनी सुब्रमण्यम श्रीलंका की रहनेवाली थीं। वो तमिल टीवी इंडस्ट्री में काम मिलने के बाद चेन्नई आकर बस गई थीं। साल 2012 में फिल्म इनी अवन से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई टीवी शोज और फिल्मों में नजर आ चुकी थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान टीवी शो कायल में दीपिका का किरदार निभाने पर मिली थी।

इसके अलावा वो इल्लाम मेला इरुकुरवन पाथुप्पन और वेब जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

पेश न होने पर महिला आयोग भड़का, संजय दत्त को भी 8 अप्रैल को पेश होने का समन

अश्लील गाने के विवाद में नोरा की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली। केडीः द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी' विवाद में सफाई के बावजूद नोरा फतेही की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में वह पेश नहीं हुईं, जिस पर आयोग ने नाराज होकर उन्हें आखिरी मौका दिया।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में सरके चुनरिया तेरी के लिरिसिस्ट रकीब आलम, फिल्म केडीःद डेविल के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोडक्शन के रीप्रेसेंटेटिव गौतम के.एम और सुप्रिथ पेश हुए थे। इस सुनवाई की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की थी।

समन में नोरा फतेही को भी पेश होने के लिए कहा गया था, हालांकि वो खुद नहीं आईं और सफाई देने के लिए वकील को भेजा।

सुनवाई में विजया रहाटकर ने चिंता जताते हुए कहा कि गाने के बोल महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि क्रिएटिविटी के नाम पर महिलाओं की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान मौजूद सभी ने ये स्वीकार किया कि गाना आपत्तिजनक था, जिसका नाकारात्मक प्रभाव पड़ा और सभी ने इसके लिए लिखित माफी भी दी।

नोरा फतेही दे चुकी हैं सफाई

अश्लील गाने पर विवाद बढ़ने के बाद एक्ट्रेस ने बयान जारी कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा है कि उनसे कन्नड़ में गलत ट्रांसलेशन बताकर पूरा गाना शूट करवाया गया और फिर बिना अप्रूवल या परमिशन गाने को हिंदी में बना लिया। उन्होंने कहा कि मेकर्स ने लिरिकल गाने को बिना इजाजत लिए उनकी AI इमेज के साथ रिलीज किया। एक्ट्रेस ने ये भी माना कि गाना वाकई अनुचित है, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें सॉन्ग लॉन्च इवेंट में पहुंचकर मिलीं। हिंदी गाना देखकर एक्ट्रेस खुद शॉक में थीं।

अश्लील गाने के विवाद पर संजय दत्त को भी समन

आयोग ने संजय दत्त को भी समन भेजकर 8 अप्रैल को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया है। उनके अलावा नोरा फतेही की गैरमौजूदगी पर भड़कर आयोग ने उन्हें 27 अप्रैल को पेश होने का आखिरी मौका दिया है। पैन इंडिया फिल्म केडीः द डेविल, 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है। 14 मार्च को इस फिल्म का गाना सरके चुनर तेरी कई भाषाओं में रिलीज हुआ। ये गाना नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया था। यूट्यूब पर गाना जारी होते ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा, जिसका कारण था, गाने के अश्लील और डबल मीनिंग बोल। इसके अलावा गाने में दिखाए गए डांस स्टेप्स और पिक्चराइजेशन भी काफी आपत्तिजनक थे।

ईरान में 300 किमी घुसकर ऑपरेशन को अंजाम दिया, लादेन को मारने वाली यही यूनिट थी

सील टीम - 6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को बचाया

रेस्क्यू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में लापता दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर रेस्क्यू कर लिया। ईरान में 3 अप्रैल को एक ऑपरेशन पर गए F-15E फाइटर जेट्स पर हमला हुआ था। विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलट्स पैराशूट की मदद से इजेक्ट हो गए थे।

इसमें से एक पायलट को अमेरिकी सेना ने कुछ ही घंटे बाद ढूंढ लिया जबकि दूसरे के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसकी सफलता की तारीफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी की।

उन्होंने इसे देश के इतिहास का सबसे खतरनाक रेस्क्यू मिशन बताया। दो MC-130J कमांडो विमान और MH-6 हेलिकॉप्टर वहां उतरे। लेकिन दोनों ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए और उड़ नहीं पाए। नए विमान बुलाए गए। वे गोलाबारी के बीच पहुंचे। आखिरकार, सील टीम 6 ने एयरमैन को ढूंढ लिया। अब जरा सी भी गलती की गुंजाइश नहीं थी। ईरानी फोर्स पास पहुंच रही थी। कमांडो ने फायरिंग कर उन्हें रोका। ऊपर से हवाई हमले कर दुश्मन के काफिलों को निशाना बनाया गया।

ईरान में रेस्क्यू का यह मिशन एबटाबाद ऑपरेशन से ज्यादा बड़ा था। उसमें 24 सील कमांडो दो स्टेल्थ ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टरों में पाकिस्तान के अंदर घुसे थे। लेकिन इसमें सैकड़ों स्पेशल फोर्स सैनिक, दर्जनों लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर, साइबर और स्पेस टेक्नोलॉजी। सब एक ही मिशन के लिए जुटे थे।

सील टीम 6 को अफगानिस्तान के नेता हामिद करजई की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। साल 2002 में कंधार में उन पर एक जानलेवा हमला हुआ। इस दौरान एक कमांडो घायल हो गया था।उसने अपने शर्ट से सिर से निकल रहा खून रोककर स्थिति संभाली और ड्यूटी को अंजाम दिया।

अमेरिकी सेना ने अपने ही दो विमान नष्ट किए

ऑपरेशन के बीच इस्फाहन के पास तकनीकी खराबी के कारण दो अमेरिकी ट्रांसपोर्ट विमान काम नहीं कर पाए। इन विमानों को मौके पर ही विस्फोट से नष्ट कर दिया गया, ताकि कोई संवेदनशील तकनीक दुश्मन के हाथ न लगे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील टीम-6' ने इसे अंजाम दिया। यह वही स्पेशल फोर्स है जिसने 2011 में आतंकी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर मारा था।

इजराइल के साथ से संभव हुआ मिशन

ईरान के साथ संघर्ष के बीच यह 2026 का पहला कन्फर्म्ड अमेरिकी ग्राउंड ऑपरेशन माना जा रहा है। एक सैनिक को बचाने के लिए बड़े स्तर पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल हुआ, जो इसकी अहमियत दिखाता है। मिशन को सफल बनाने के लिए अमेरिका ने कई लेयर में रणनीति बनाई। पहले, इजराइली खुफिया एजेंसी ने ईरानी सेना की मूवमेंट ट्रैक की। फिर हवाई हमले 36 घंटे के लिए रोके गए ताकि रेस्क्यू टीम आगे बढ़ सके। इसके बाद CIA ने फर्जी जानकारी फैलाई कि ऑफिसर सड़क से भाग निकला है। ऊपर अमेरिकी फाइटर जेट्स निगरानी कर रहे थे, जबकि जमीन पर कमांडो आगे बढ़ रहे थे। अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट SEAL टीम-6 ने ऑपरेशन शुरू किया। जब कमांडो अफसर तक पहुंचे, तब ईरानी सेना बेहद करीब थी। ऐसे में भारी गोलीबारी कर दुश्मन को पीछे धकेला गया। इसके बाद ट्रांसपोर्ट विमान फायरिंग के बीच उतरे और घायल अफसर को बाहर निकाला गया। इस मिशन की तुलना 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में हुए ऑपरेशन से की जा रही है, जब ओसामा बिन लादेन को मार गिराया गया था। तब भी अमेरिकी कमांडो ने खराब हेलीकॉप्टर को नष्ट कर दिया था।

एअर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 तक महंगी

नया किराया 8 अप्रैल से लागू होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया है। इससे हवाई सफर महंगा हो जाएगा। ग्लोबल मार्केट में विमान ईंधन (ATF) की कीमतों में आई तेजी के बाद एयरलाइन ने यह फैसला लिया है। नई दरें कल यानी 8 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी।

एयरलाइन के मुताबिक, जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी होने से लागत बढ़ गई है। विमान ईंधन की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी। इससे पहले इंडिगो ने भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था।

एयरलाइंस का फ्यूल सरचार्ज टिकट पर लगने वाली वह एक्स्ट्रा फीस है, जो तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वसूली जाती है।

यह चार्ज एयरलाइंस को ईंधन के बढ़ते खर्चों से निपटने में मदद करता है। इसे कंपनियां टिकट के साथ जोड़ देती हैं।

एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए एक फ्लैट सरचार्ज व्यवस्था को खत्म कर दिया है। अब यात्रियों को दूरी के आधार पर पैसे देने होंगे।

सरचार्ज 299 रुपए से शुरू होकर 899 रुपए तक जाएगा। यह नियम एयर इंडिया के साथ-साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भी लागू होगा।

विदेशी रूट्स पर भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया है।

सूरतगंज से भिखारीपुर मार्ग के डामरीकरण का कार्य शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही समस्या आखिरकार अब समाधान की ओर बढ़ती नजर आ रही है। सूरतगंज से भिखारीपुर तक जाने वाली जर्जर सड़क, जो वर्षों से बदहाल स्थिति में पड़ी थी, अब उसके डामरीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कार्य के शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि इस सड़क की खराब हालत को लेकर क्षेत्र के लोग लंबे समय से परेशान थे। जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो चुकी इस सड़क पर चलना मुश्किल हो गया था। बारिश के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते थे, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। स्कूली बच्चों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। बीते दिनों इस गंभीर समस्या को स्थानीय रिपोर्टर द्वारा

प्रमुखता से उठाते हुए हिंदी दैनिक तमसा संकेत में विस्तृत खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन और संबंधित विभाग हरकत में आया और सड़क के डामरीकरण का कार्य तेजी से शुरू करा दिया गया। वर्तमान में सड़क डामर बिछाने का काम चल रहा है। स्थानीय रामबरन वर्मा , रामू पाल, शिवप्रसाद पाल, भड़काऊ, शेखर पाल सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि मीडिया की पहल से उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान संभव हो सका है। उन्होंने तमसा संकेत अखबार व सत्यवान पाल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यदि इसी तरह जनस-मस्याओं को उठाया जाता रहा, तो आम जनता को राहत मिलती रहेगी।

फैसले लेने की स्थिति में नहीं', मोजतबा को लेकर जारी रिपोर्ट में दावा

ईरान के सुप्रीम लीडर बेहोश

इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में 28 फरवरी 2026 से जारी तनाव के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। द टाइम्स ने एक राजनयिक ज्ञापन का हवाला देते हुए बताया कि मोजतबा खामेनेई की स्थिति बेहद गंभीर है और वे वर्तमान में बेहोश हैं।

अमेरिका और इजरायल के खुफिया स्रोतों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई का कोम शहर में इलाज चल रहा है और वह बेहोशी की हालत में हैं। हालांकि, उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई स्पष्ट

बयान सामने नहीं आया है।

बता दें कि ईरान ने पुष्टि की है कि नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई अमेरिका-इजरायल द्वारा किए गए उस हमले में घायल हुए थे, जिसमें उनके पिता, उनकी मां, उनकी पत्नी जहरा हद्दाद-आदेल और उनके एक बेटे की मौत हो गई थी। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर यह हमला 28 फरवरी 2026 को किया गया था। इसी हमले के बाद से आज तक मिडिल ईस्ट में युद्ध जारी है।

पिता की मौत के बाद सार्वजनिक रूप से नहीं दिए दिखाई

नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को मार्च की शुरुआत में उनके पिता के उत्तराधिकारी के रूप में चुने जाने के बावजूद, युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से न तो देखा गया है और न ही उनकी कोई आवाज सुनाई दी है।

ईरानी सरकारी टेलीविजन पर खामेनेई के नाम से कई बयान पढ़े गए हैं, लेकिन उनकी आवाज की रिकॉर्डिंग न होने से उन अपुष्ट खबरों को बल मिलता है कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि देश का पूरा नियंत्रण नए सर्वोच्च नेता के हाथ में है, लेकिन इस ताजा रिपोर्ट में खामेनेई की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में संकेत दिए गए हैं।

एक से अधिक कब्रें बनाने की सूचना

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी और इजरायली जासूसी एजेंसियों के पास कोम में एक विशाल समाधि के निर्माण के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार करने की खुफिया जानकारी है, जिसमें एक से अधिक कब्रें होंगी। इससे संकेत मिलता है कि परिवार के अन्य सदस्यों को दिवंगत सर्वोच्च नेता के साथ दफनाया जा सकता है।

शिया धार्मिक सत्ता का केंद्र है कोम

ईरान के कोम शहर को शिया धार्मिक सत्ता का केंद्र माना जाता है। कोम शहर ईरान की राजधानी तेहरान से 140 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यह पहली बार है जब ईरान के सर्वोच्च नेता के ठिकाने का खुलासा हुआ है। जहां 28 फरवरी 2026 को अमेरिकी-इजरायली हमलों में मारे गए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के दफनाने की तैयारी चल रही है।

अयातुल्लाह के ठिकाने के बारे में जानकारी कुछ समय से अमेरिकी और इजरायली जासूसी एजेंसियों के पास थी, लेकिन इसे पहले कभी सार्वजनिक नहीं किया गया था।

> **अमेरिकी और इजरायली खुफिया जानकारी पर आधारित इस रिपोर्ट में लिखा गया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का कोम शहर में इलाज चल रहा है और वे शासन द्वारा लिए जाने वाले किसी भी निर्णय में शामिल होने में असमर्थ हैं।**

इससे खूब पैसा कमाता, ईरान ने अमेरिका का सीजफायर प्रस्ताव खारिज किया

मेरा बस चले तो ईरानी तेल कब्जा लूं : ट्रम्प

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि अगर उनके पास मौका होता तो वे ईरान के तेल पर कब्जा कर लेते और खूब पैसा कमाते। ट्रम्प कुछ दिन पहले भी ईरानी तेल पर कब्जा करने की बात कह चुके हैं।

उन्होंने कहा कि ईरान के लोग आजादी चाहते हैं और वहां के हालात ऐसे हैं कि लोग बदलाव देखना चाहते हैं। हालांकि ट्रम्प ने यह भी माना कि अमेरिका के लोग अब युद्ध से थक चुके हैं और चाहते हैं कि सैनिकों को वापस घर बुलाया जाए। वहीं ईरान ने अमेरिका की तरफ से आए नए सीजफायर प्रस्ताव

को खारिज कर दिया है। ईरान की सरकारी एजेंसी IRNA के मुताबिक, तेहरान ने कहा है कि वह अस्थायी युद्धविराम नहीं, बल्कि युद्ध का पूरी तरह और हमेशा के लिए खात्मा चाहता है।

ट्रम्प बोले- ईरान को एक रात में खत्म कर सकते हैं, ये कल भी हो सकता है ट्रम्प ने ईरान जंग पर सोमवार रात 10.30 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग अच्छी चल रही है। अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो वह रात कल भी हो सकती है।

ट्रम्प ने ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने वाले ऑपरेशन को 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा, "मैंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया था कि हमारे बहादुर सैनिकों को सुरक्षित घर लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए।"

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आज होर्मुज प्रस्ताव पर वोटिंग

होर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र (UN) सुरक्षा परिषद आज एक संशोधित प्रस्ताव पर वोट करेगी। इस प्रस्ताव में ईरान से कॉमर्शियल जहाजों पर हमले रोकने और आवाजाही बनाए रखने की मांग की गई है। बहरीन और अन्य खाड़ी देशों ने पहले एक सख्त प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें होर्मुज खोलने के लिए बल प्रयोग की अनुमति देने की बात थी। हालांकि, वीटो की आशंका के चलते इसे कमजोर कर दिया गया।

ईरान में हिरासत में लिया गया दूसरा जापानी नागरिक रिहा

ईरान ने जनवरी में हिरासत में लिए गए दूसरे जापानी नागरिक को रिहा कर दिया है। जापानी समाचार एजेंसी क्योदो ने सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, रिहा किया गया व्यक्ति जापानी ब्रॉडकास्टर NHK का तेहरान ब्यूरो प्रमुख बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले मार्च में जापान के विदेश मंत्री मोतेगी तोशिमित्सु ने जानकारी दी थी कि हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है और दूसरे की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

ईरान युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप को छोड़ना पड़ सकता है राष्ट्रपति पद

क्या है 25वां संशोधन, ट्रंप के ईरान बयानों पर 25वें संशोधन की मांग उठी

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की हालिया विवादित बयानबाजी के बाद अमेरिका में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कई अमेरिकी सांसद ट्रंप के प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि वे अमेरिकी संविधान के 25वें संशोधन का इस्तेमाल करके उन्हें पद से हटा दें। दरअसल, यह पूरा विवाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हाल ही में ईरान को खत्म करने की धमकी देने के बाद शुरू हुआ है। डेमोक्रेटिक और कुछ पूर्व रिपब्लिकन नेताओं का तर्क है कि ट्रंप की मौजूदा बयानबाजी और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की धमकियां न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन हैं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा

हैं। डेमोक्रेटिक सीनेट सदस्य क्रिस मर्फी ने भी X पर पोस्ट किया- ₹अगर मैं ट्रंप की कैबिनेट में होता, तो मैं ईस्टर का दिन 25वें संशोधन के बारे में संवैधानिक वकीलों से बात करने में बिताता। यह पूरी तरह से, एकदम बेकाबू हरकत है। वह पहले ही हजारों लोगों को मार चुके हैं। वह और हजारों लोगों को मारने वाले हैं। एमएसएनबीसी के पूर्व होस्ट मेहदी हसन ने लिखा, "राष्ट्रपति का ईस्टर मैसेज, जिससे वीपी और कैबिनेट को सच में 25वां संशोधन लागू करना चाहिए।" डेमोक्रेटिक रिप्रेजेंटेटिव मेलानी स्टैंसबरी की एक और अपील में कहा गया, "सम्राट के पास कपड़े नहीं हैं। 25वें संशोधन का समय आ गया है। कांग्रेस और कैबिनेट को कार्रवाई करनी चाहिए।"

ट्रंप की पुरानी फैन मार्जोरी टेलर ग्रीन ने एक लंबा पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा, "मैं आप सभी को और उन्हें (ट्रंप को) जानती हूं। वो पागल हो चुके हैं और आप सभी इसमें शामिल हैं।"

अमेरिका में जिस 25वें संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति ट्रंप को हटाने की मांग हो रही है, वह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के ज्यादातर लोग अपनी ड्यूटी न कर पाने की वजह से राष्ट्रपति को बदलने का विकल्प चुन सकते हैं।

घटना : ब्रिज ऑफ द अमेरिकाज के पास भीषण आग, कई लोग घायल, एक व्यक्ति लापता बताया गया

पनामा में ईंधन टैंकर विस्फोट

जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

पनामा में एक पुल के पास ईंधन टैंकर में भीषण विस्फोट हुआ और आग लग गई। विस्फोट के साथ तेल टैंकर में लगी आग ने कुछ ही देर में जल्द ही विकराल रूप धारण कर लिया, जिसकी चपेट में पुल का मुख्य हिस्सा भी आ गया। इस हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि एक व्यक्ति लापता बताया जा रहा है।

दरअसल, यह घटना सोमवार की बताई जा रही है, जब पनामा नहर के प्रशांत प्रवेश द्वार पर स्थित ब्रिज ऑफ द अमेरिकाज के पास भीषण विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना जोरदार था कि

> **बता दें कि ब्रिज ऑफ द अमेरिकाज एक अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क मार्ग है, जिसकी लंबाई 1654 मीटर है और जो पनामा नहर के प्रशांत प्रवेश द्वार पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शिपिंग चोकपॉइंट्स में से एक के ठीक बगल में स्थित है।**

आग की लपटें पुल की सड़क तक पहुंच गईं, इससे वहां मौजूद लोग जान बचाकर भागने लगे। गौरतलब है कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के चलते ईरान द्वारा होर्मुज में लगाई गई पाबंदी के बाद अमेरिका से कच्चे तेल की कुछ खेप को पनामा नहर के रास्ते एशिया की ओर मोड़ा जा रहा था। मार्च में रॉयटर्स ने टैंकरों की आवाजाही में हुई बढ़ोतरी की जानकारी दी थी।

बंद करना पड़ा पुल

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, आग लगने की वजह से सुरक्षा के मद्देनजर पुल को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। लोक निर्माण मंत्रालय ने पुल के अस्थायी रूप से बंद होने की पुष्टि की है। एक बयान में कहा गया, ₹यह एहतियाती कदम चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, जबकि विशेष तकनीकी टीमें पुल की संरचनात्मक स्थिति की जांच करने के लिए संबंधित तकनीकी निरीक्षण कर रही हैं।

एअर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दिया

अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट आने के बाद पद छोड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी ANI ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए CEO की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का CEO और प्रबंध निदेशक (MD) नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए CEO की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो

(AAIB) ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है। विल्सन के इस्तीफे पर एअर इंडिया ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एअर इंडिया नए CEO के लिए संभावित उम्मीदवारों के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही है। इस संबंध में अगले हफ्ते एक अहम बैठक भी होने वाली है।

दावे के मुताबिक, कंपनी ने नए CEO की तलाश जनवरी में ही शुरू कर दी थी, जब विल्सन ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद पद छोड़ने के संकेत दिए थे।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96